PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 228 ● भिलाई, गुरुवार 19 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

दिल्ली के पालम में भीषण अग्निकांडः तीन बच्चों सहित एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत

नयी दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम इलाके पालम में बुधवार सुबह चार मंजिला एक इमारत में भीषण आग लगने से तीन बच्चों और चार महिलाओं सहित एक ही परिवार के नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा पालम गांव के राम चौक बाजार स्थित एक कपड़े और कॉस्मेटिक शोरूम वाली इमारत में हुआ।

पुलिस और दमकल विभाग के अनुसार, आग सुबह करीब सात बजे राम मार्केट स्थित 'राजेंद्र कश्यप' (मार्केट प्रधान) की इमारत में लगी।

इस इमारत के बेसमेंट, ग्राउंड और पहली मंजिल पर कपड़ों का शोरूम था, जबकि दूसरी और तीसरी मंजिल पर परिवार रहता था।

इस आग को बुझाने में दमकल, एनडीआरएफ और वायुसेना पुलिस की टीमों ने मेहनत की।

बचाव टीमों की मदद से कुल 12 लोगों को निकाला गया, जिनमें से नौ को मृत घोषित कर दिया गया।

इनमें प्रवेश (33), कमल (39), आशु (35), लाडो (70), हिमांशी (22) और 15, 6 व तीन साल की तीन बच्चियां शामिल हैं। वहीं 19 वर्षीय सचिन सहित तीन अन्य का इलाज सफदरजंग और आईजीआई अस्पताल में चल रहा है। दमकल की 30 गाड़ियां और 11 एंबुलेंस की मदद से बचाव कार्य चलाया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, -दिल्ली के पालम में हुई आग की घटना अत्यंत दुखद है।

जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो -दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। राज्य सरकार ने मृतक वयस्कों के परिवारों को दस-दस लाख रुपये, मृत नाबालिगों के परिवारों को पांच -पाच लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है।

भीषण अग्निकांड पर प्रधानमंत्री ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी के पालम इलाके में भीषण अग्निकांड में हुई जानमाल की हानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है और इस त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, मोदी ने प्रत्येक मृतक के निकटतम संबंधी को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने संदेश में कहा कि दिल्ली के पालम में हुई आग की घटना अत्यंत हृदयविदारक है। उन्होंने लिखा कि जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है।

पालम अग्निकांडः मृतकों के परिजनों के लिए 10-10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा

दिल्ली सरकार ने पश्चिमी दिल्ली के पालम इलाके में बहुमंजिला आवासीय इमारत में लगी भीषण आग की घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं तथा मृतकों के परिजन को दस दस लाख वित्तीय सहायता की घोषणा की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस हादसे में हुई मासूमों की मौत को हृदयविदारक बताते हुए आज पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की हैं। मुख्यमंत्री ने इस अग्निकांड की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही, मृतकों के परिवारों को वित्तीय सहायता की भी घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। उन्होंने पीड़ितों के लिए वित्तीय सहायता (मुआवजे) की घोषणा की है। इनमें मृतक वयस्कों के परिजनों को 10 लाख रुपये, मृतक नाबालिगों के परिजनों को 5 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 2 लाख रुपये की तात्कालिक सहायता देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री से मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित उनके निवास में मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने शुक्ला का शॉल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान दोनों के मध्य क्षेत्रीय विकास, आपसी समन्वय एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। साथ ही दोनों राज्यों के बीच सहयोग को और सुदृढ़ करने पर भी सहमति व्यक्त की गई। उपमुख्यमंत्री शुक्ला ने बताया कि अब रीवा-रायपुर से सीधे हवाई मार्ग से जुड़ गया है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के साझा प्रयासों से दोनों राज्यों के लोगों को हवाई सेवा की बड़ी सौगात मिली है। उपमुख्यमंत्री शुक्ला ने इस दिशा में मुख्यमंत्री साय के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया और आगे भी दोनों राज्यों के साझा हितों को आगे बढ़ाने की बात कही। उल्लेखनीय है रायपुर और रीवा के मध्य हवाई सेवा प्रारंभ हो गई है। इससे छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के लोगों की यात्रा आसान होगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, डॉ. हिमांशु द्विवेदी एवं जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को वाणिज्यिक एलपीजी के 10 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन की सशर्त पेशकश

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के मददेनजर देश में सभी जगहों पर रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कदम उठा रही सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वाणिज्यिक एलपीजी का 10 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन देने की पेशकश की है, बशर्ते वे गैस वितरण कंपनियों (सीजीडी) के नेटवर्क के विस्तार में तेजी लाने में सहयोग करें। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड ने सभी सीजीडी कंपनियों को निर्देश दिया है कि नये कनेक्शन का आवेदन जमा करने और गैस आपूर्ति शुरू होने के बीच के समय में अंतर को कम से कम किया जाए और सभी लंबित आवेदनों को तुरंत स्वीकृत किया जाए। नए आवेदनों का भी शीघ्र निपटान किया जाए।

मंत्रिमंडल ने 2584 करोड़ रुपये की लागत वाली लघु जल विद्युत विकास योजना को मंजूरी दी

नयी दिल्ली। सरकार ने विशेष रूप से देश के दूर-दराज के क्षेत्रों में पन बिजली क्षमता का दोहन करने के लिए 2584 करोड़ रुपये की लागत से 'लघु जल विद्युत विकास योजना' शुरू करने का निर्णय लिया है जिसके अंतर्गत करीब 1500 मेगावाट क्षमता की परियोजनाओं की स्थापना की जायेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 'लघु जल विद्युत विकास योजना' को वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 की अवधि के लिए स्वीकृति दी गयी है और इसकी कुल लागत 2584.60 करोड़ रुपये है।

वित्त वर्ष 2026-27 के बजट संबंधी विनियोग विधेयक को लोकसभा की मंजूरी

नयी दिल्ली। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में प्रस्तावित 53.47 लाख करोड़ रुपये के व्यय के लिए समेकित निधि से सरकार को धन के भुगतान के लिए अधिकृत करने वाले विनियोग विधेयक (नंबर 2), 2026 को लोकसभा में पारित कर दिया गया। इससे पहले सदन ने कई मंत्रालयों और विभागों से संबंधित अनुदान मांगों को एक साथ बिना चर्चा के स्वीकृति प्रदान की। रेलवे तथा कृषि मंत्रालयों से संबंधित अनुदान मांगों पर लोकसभा में तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय की अनुदान मांगों पर राज्यसभा में विस्तृत चर्चा हुई थी और मंत्रियों के जवाब के बाद उन्हें पारित किया गया था। कृषि मंत्रालय से संबंधित अनुदान मांगों को सदन की मंजूरी मिलने के बाद अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि शेष मंत्रालयों से संबंधित अनुदानों की बकाया मांगों के संबंध में अनेक कटौती प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने समय के अभाव के कारण सभी कटौती प्रस्तावों को एक साथ मतदान के लिए रखा। सदन ने सभी कटौती प्रस्तावों को ध्वनिमत से नामंजूर कर दिया। इसके बाद सदन ने शेष मंत्रालयों की अनुदान मांगों को एक साथ ध्वनिमत से पारित किया।

पश्चिम बंगाल चुनावः चुनाव आयोग का बड़ा कदम 11 जिलाधिकारी और केएमसी कमिश्नर हटाए गए

कोलकाता। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक निर्णायक कदम उठाते हुए 11 जिलाधिकारियों (डीएम) और कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के आयुक्त को उनके पद से हटा दिया है। आयोग इससे पहले भी राज्य के शीर्ष नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों पर भी इसी तरह की कार्रवाई कर चुका है। आयोग की जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रशासनिक तटस्थता को मजबूत करने के उद्देश्य से वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित कर प्रमुख जिलों में जिलाधिकारी-सह-जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) के रूप में तैनात करने का निर्देश दिया गया है। इस बड़े फेरबदल के तहत आयोग ने कई जिलों के प्रशासनिक प्रमुखों को बदलते हुए नए अधिकारियों की नियुक्ति की है। आदेश के मुताबिक, कूचबिहार में राजू मिश्रा के स्थान पर जितिन यादव और जलपाईगुड़ी में रवि प्रकाश मीणा की जगह संदीप घोष को नियुक्त किया गया है। उत्तर दिनाजपुर में भी बदलाव किया गया है, जहाँ सुरेंद्र कुमार मीणा के स्थान पर विवेक कुमार कार्यभार संभालेंगे। इसी प्रकार मालदा और मुर्शिदाबाद में क्रमशः प्रीति गोयल और नितिन सिंघानिया के स्थान पर राजबीर सिंह कपूर और आर अर्जुन को तैनात किया गया है। नदिया जिले में निखिल निर्मल को हटाकर श्रीकांत पल्ली को लाया गया है, जबकि पूर्वी बर्धमान में आयशा रानी की जगह श्वेता अग्रवाल को जिम्मेदारी दी गई है। आयोग ने उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिलों के नेतृत्व में भी बदलाव किया है, जहाँ उत्तर 24 परगना में शशांक सेठी की जगह शिल्पा गौरीसरिया और दक्षिण 24 परगना में अरविंद कुमार मीणा के स्थान पर अभिषेक कुमार तिवारी को नियुक्त किया गया है। उत्तरी पहाड़ी जिले दार्जिलिंग में सुनील अग्रवाल के स्थान पर हरिशंकर पाणिकर को तैनात किया गया है।

सदन में गरमाया जंबूरी के आयोजन में कथित गड़बड़ी का मामला

रायपुर। विधानसभा के बजट सत्र में जंबूरी का आयोजन विवाद मामला उठा। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह ने स्काउट्स एंड गाइड्स के पदेन चेयरमैन को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि स्कूल शिक्षा मंत्री को पदेन अध्यक्ष बनाने के लिए नियमों में संशोधन कब किया गया। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने जवाब में बताया कि राज्य गठन के बाद शुरू में संस्था को स्वतंत्र रखते हुए चुनाव से अध्यक्ष चुने जाते थे। बाद में पिछली सरकार ने नियम बदलकर स्कूल शिक्षा मंत्री को पदेन अध्यक्ष बनाने का प्रावधान किया।

कांग्रेस विधायक ने आरोप लगाया कि 10 दिसंबर को जंबूरी के लिए टेंडर जारी हुआ, जबकि 13 दिसंबर को मंत्री को पदेन अध्यक्ष बनाया गया, जिससे प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं। इस पर मंत्री ने कहा कि जंबूरी

आयोजन को देखते हुए विधिवत नियुक्ति आदेश जारी किया गया और सभी कार्य नियमों के तहत हुए। मंत्री ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी के आयोजन का निर्णय 14 नवंबर 2025 को राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा लिया गया था। स्थान चयन के लिए रायपुर और बालोद का निरीक्षण किया गया, जिसके बाद बालोद को आयोजन स्थल चुना गया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि टेंडर की शर्तों में बदलाव कर 90 बिंदुओं को घटाकर 52 कर दिया गया और टेंडर से पहले ही काम शुरू हो गया। मंत्री ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि राष्ट्रीय मुख्यालय और राज्य स्तर के कार्य अलग-अलग थे और टेंडर के बाद ही काम शुरू हुआ। विपक्ष ने करीब 5 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप भी लगाया, जिसे मंत्री ने सिरे से नकार दिया और कहा कि अब तक किसी प्रकार की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के नेतृत्व में सरकार पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया और सदन से वाकआउट कर दिया।

असम में कांग्रेस नेताओं के भाजपा में शामिल होने पर कांग्रेस को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला : भूपेश बघेल

रायपुर। असम में कांग्रेस के नेताओं के दल बदल को लेकर कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा भाजपा को कांग्रेसमय करके ही मानेंगे। उन्होंने कहा कि नेताओं का दल बदलना कोई नई बात नहीं है लेकिन इससे कांग्रेस पार्टी पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। बघेल ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुये यह कहा। इस दौरान बघेल ने नक्सलवाद के मुद्दे पर भी भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि उल्टी गिनती शुरू हो गई है और अब सिर्फ 13 दिन शेष हैं। उन्होंने कहा - सरकार नक्सलवाद के खात्मे की घोषणा करे, अब बस उसी का इंतजार है। कांग्रेस महासचिव की यह टिप्पणी उस वक्त आई जब 140 आत्मसमर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र की कार्यवाही देखने का मौका दिया गया। इनमें 54 महिलाएं और 86 पुरुष शामिल थे। पहले भी इसी सत्र के दौरान आत्मसमर्पित नक्सलियों को विधानसभा की कार्रवाई देखने के लिए आमंत्रित किया गया था। गौरतलब है कि राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा ने हाल ही में नक्सलियों से मुख्यधारा में लौटने की अपील करते हुए कहा था कि सरकार उनके स्वागत के लिए रेड कॉर्पेट बिछाएगी और उनका सम्पूर्ण पुनर्वास किया जाएगा। बघेल ने इस पहल का समर्थन करते हुए कहा कि वह आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को समान अवसर दिए जाने के पक्षधर हैं।

चिकित्सक हत्याकांड में दो आरोपी दोषी करार, 24 मार्च को सुनाएगी सजा

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में चर्चित चिकित्सक डॉ घनश्याम तिवारी हत्याकांड मामले में दीवानी न्यायालय के अपर जिला जज (एडीजे) संध्या चौधरी ने मुख्य अभियुक्त अजय नारायण सिंह और सह-अभियुक्त दीपक सिंह को दोषी मानते हुए जेल भेज दिया। अदालत अब 24 मार्च को सजा के बिंदु पर फैसला सुनाएगी। गौरतलब है कि बीते 23 सितंबर 2023 को जिले के थाना कोतवाली लंभुआ के सखौली कला गांव निवासी डॉ. घनश्याम तिवारी की कोतवाली नगर के नरायनपुर गांव में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। उनकी पत्नी निशा तिवारी ने इस मामले में नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था।

एनआईए की बड़ी कार्रवाईः म्यांमार आतंकी कनेक्शन में सात विदेशी नागरिक गिरफ्तार

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सात विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें छह यूक्रेनी नागरिक और एक अमेरिकी नागरिक शामिल हैं। इन पर म्यांमार में आतंकी गतिविधियों से जुड़े प्रशिक्षण देने का आरोप है। एनआईए के अनुसार, सभी आरोपी अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे और म्यांमार में हथियार चलाने तथा ड्रोन ऑपरेशन का प्रशिक्षण देने में कथित रूप से शामिल थे। जांच में यह भी सामने आया है कि प्रशिक्षण में इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रोन यूरोप से खरीदे गए थे। गिरफ्तार आरोपियों को विशेष एनआईए अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 11 दिनों की एनआईए हिरासत में भेज दिया गया है। फिलहाल एजेंसी आरोपियों से अवैध प्रवेश, हथियार प्रशिक्षण, ड्रोन संचालन और ड्रोन खरीद नेटवर्क को लेकर गहन पूछताछ कर रही है।

साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि इनका संबंध किसी बड़े आतंकी संगठन या नेटवर्क से तो नहीं है और क्या ये किसी बड़े आतंकी मॉड्यूल के लिए लोगों को प्रशिक्षण दे रहे थे।

एनआईए इस पूरे मामले के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की भी जांच कर रही है, जिससे आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर राज्यों और पर्वतीय इलाकों के लिए न्यूनतम 25 एकड़ की सीमा रखी गयी

भारत औद्योगिक विकास योजना के तहत बनेंगे 100 नये विश्व स्तरीय औद्योगिक पार्क

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 33,660 करोड़ रुपये की भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) को मंजूरी प्रदान कर दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी गयी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इसके तहत देश भर में 100 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्कों का निर्माण किया जायेगा जिससे विनिर्माण को गति मिलेगी।

उन्होंने बताया कि हर औद्योगिक पार्क 100 एकड़ से 1,000 एकड़ के क्षेत्रफल में होगा। पूर्वोत्तर राज्यों और पर्वतीय इलाकों के लिए न्यूनतम 25 एकड़ की सीमा रखी गयी है। केंद्र सरकार प्रति एकड़ एक करोड़ रुपये की वित्तीय मदद देगी जिससे पार्कों के अंदर सड़कें, भूमिगत यूटिलिटी सुविधाएं, नाली, साझा ट्रीटमेंट संयंत्र और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा प्रशासनिक तंत्र तैयार किये जायेंगे। साथ ही निवेशकों के लिए फैक्ट्री शेड, जांच प्रयोगशालाएं और वेयरहाउस भी पहले से तैयार होंगे। श्रमिकों के रहने के लिए घर और अन्य सहायक सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। इसके अलावा, परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक की केंद्रीय मदद बाह्य बुनियादी ढांचों के लिए दी जायेगी। वैष्णव ने कहा कि सरकार की नीतियों में स्थिरता, प्रतिभा भंडार और डिजाइनिंग की क्षमता के दम पर भारत विनिर्माण के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बन कर उभरा है। प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्कों से 'आत्मनिर्भर भारत' तथा 'मेक इन इंडिया' को समर्थन मिलेगा और विशेषकर युवा वर्ग को काफी लाभ होगा। उन्हें विनिर्माण सेक्टर में रोजगार के अवसर मिलेंगे और आने वाले समय में देश को बहुत फायदा होगा। उन्होंने बताया कि यह छह साल का कार्यक्रम होगा। राज्य सरकारों, केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों और निजी डेवलपरों के साथ मिलकर कुल 34,000 एकड़ में निवेश के लिए तैयार क्षेत्र विकसित करने का लक्ष्य है। औद्योगिक पार्क के विकास के लिए शहरों का चयन चैलेंज के आधार पर किया जायेगा।

पीएम मोदी ने कुवैत के शहजादे के साथ पश्चिम एशिया घटनाक्रम पर बात की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कुवैत के शहजादे शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से बातचीत कर उन्हें ईद की शुभकामनाएं दीं और पश्चिम एशिया के सुरक्षा घटनाक्रम की समीक्षा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि मोदी ने कुवैत के शहजादे शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से बात की और आगामी ईद पर्व की शुभकामनाएं दीं। बातचीत के दौरान मोदी और शहजादे ने पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति पर विचार-विमर्श किया और हाल के घटना मों पर चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हुए हमलों की भारत द्वारा निंदा को दोहराया और इस बात पर जोर दिया कि हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के माध्यम से सुरक्षित और मुक्त नौवहन सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। दोनों नेताओं ने सहमति व्यक्त की कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए निरंतर कूटनीतिक संवाद आवश्यक है।

जंगल से भटका हिरण बरगा गांव में घायल हालत में मिला बेमेतरा लाते समय हो चुका था मौत

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के साजा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरगा में कबीरधाम के जंगल से भटककर आ गया था जो हिरण जालीदार तार में फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसका पहले घटना स्थल पर उपचार कर थानखम्हरिया ले जाया गया बाद में बेमेतरा जिला पशु चिकित्सालय लाया जहां पर डाक्टर ने हिरन की मौत होने की पुष्टि किया तद्उपरातं बेमेतरा के वन विभाग परिसर में अंतिम संस्कार किया गया। इस संबंध में जानकारी के अनुसार ग्राम बरगा में हिरण गांव के अंदर एक बाड़ी में घुस गया था, जहां जाली तार में फंसने के कारण वह घायल हो गया। इसी दौरान एक कुत्ते ने भी उसे नोच लिया, जिससे उसकी हालत और खराब हो गई। इस बीच ।

गांव के जागरूक ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए हिरण को कुत्तों से बचाया और तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायल हिरण को सुरक्षित निकालकर प्राथमिक उपचार के लिए थान खम्हरिया स्थित वेटनरी अस्पताल ले जाया गया। वन विभाग बेमेतरा साजा परिक्षेत्र के प्रभारी एस.एल. रसेल, फारेस्ट गार्ड गजेंद्र सिंह राजपूत एवं वाहन चालक देवेंद्र दुबे की टीम ने ग्रामीणों की उपस्थिति में पंचनामा तैयार किया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि घायल हिरण का प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी स्थिति के अनुसार उसे नंदन वन जंगल सफारी रायपुर या मैत्रीबाग जू भिलाई रेफर करने की योजना बनाई गई थी। पंचनामा कार्यवाही के दौरान ग्रामीणों में ईश्वर गंधर्व (कोटवार, बरगा), मंगतू यादव (साक्षी, बरगा, उम्र 50 वर्ष), संजय पाटिल (पदुम्सरा), कमलेश साहू (उप सरपंच, बरगा) सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।इस संबंध में जानकारी देते हुए साजा वन विभाग के परिक्षेत्र में पदस्थ फारेस्ट गार्ड गजेन्द्र सिंह राजपूत ने बताया कि घायल हिरन की गंभीर हालत को देखते हुए बेमेतरा जिला पशु चिकित्सालय लाया जा रहा था इसी बीच हिरन की मौत हो गई जिसकी पुष्टि डाक्टर के द्वारा किया गया।

शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने अधिकारियों को जवाबदेही से करना होगा कार्य : ममगई

बेमेतरा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष (दिशा भवन) में आयोजित समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी अधिकारियों को जवाबदेही पूर्वक कार्य करना अनिवार्य होगा। कलेक्टर ने योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रशासनिक कसावट लाने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन विभागों की प्रगति अपेक्षित स्तर पर नहीं पाई जाएगी, उनके जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि केवल कागजी प्रगति पर्याप्त नहीं है, बल्कि योजनाओं का वास्तविक लाभ धरातल पर दिखना चाहिए। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, महिला सशक्तिकरण एवं अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि इन योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से फील्ड विजिट कर योजनाओं का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने समय-सीमा का कड़ाई से पालन करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा और आवश्यक होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान और विकास कार्यों में गति लाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे आमजन से जुड़े मामलों को गंभीरता से लें और समाधान केंद्रित दृष्टिकोण अपनाएं।

पूर्व बैठक के निर्देशों की भी हुई समीक्षा

बैठक में पूर्व में आयोजित समय-सीमा बैठकों में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने पाया कि कुछ विभागों में प्रगति संतोषजनक नहीं है, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सतत मॉनिटरिंग और समन्वय आवश्यक है। कलेक्टर ने सभी विभागों को लक्ष्य आधारित कार्य योजना तैयार कर समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने दोहराया कि जो अधिकारी निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में असफल रहेंगे, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में जिला स्तरीय अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रमुख एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

पार्षद वीरेंद्र साहू द्वारा भाजपा जिला महामंत्री सौरभ लूनिया पर लगाए गए आरोपों को नगर पालिका अध्यक्ष ने निराधार बताया

दल्लीराजहरा। नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा के वार्ड क्रमांक 07 के पार्षद वीरेंद्र साहू द्वारा भाजपा जिला महामंत्री सौरभ लूनिया पर लगाए गए आरोपों को नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और कई पार्षदों ने सिरे से खारिज कर दिया है। एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जनप्रतिनिधियों ने इसे सौरभ लूनिया की छवि धूमिल करने की एक बड़ी राजनैतिक साजिश करार दिया। नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू एवं उपाध्यक्ष मनोज दुबे ने संयुक्त वक्तव्य में कहा कि पार्षद वीरेंद्र साहू पर हुआ हमला उनके वार्ड के निवासियों के साथ हुए व्यक्तिगत विवाद का परिणाम है, जिसे लेकर पुलिस ने पहले ही नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में सौरभ लूनिया का नाम घसीटना पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित और झूठ है। भाजपा मंडल अध्यक्ष रामेश्वर साहू, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष श्याम जायसवाल और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री ललित जैन ने भी इन आरोपों की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि बिना किसी साक्ष्य के सार्वजनिक रूप से पदाधिकारी पर आरोप लगाना संगठन और नगर की शांति के लिए घातक है। भाजपा मोर्चा प्रकोष्ठ के सभी अध्यक्षों ने भी महामंत्री सौरभ लूनिया के नाम को बदनाम करने की निंदा कर पुलिस से इस मामले में जांच करने का निवेदन किया साथ ही यह मांग भी किया है कि यदि वीरेंद्र साहू का आरोप झूठा पाया पाया जाता है तो वीरेंद्र साहू पर उचित कार्रवाई की जाए। मांग करने वाले में मुख्य रूप से युवा मोर्चा अध्यक्ष सागर गानिर, पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष निर्मल पटेल, अल्प संख्यक मोर्चा अध्यक्ष मोंटी छतवाल, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष तरुण टंडन शामिल है। इस प्रेस विज्ञप्ति की सबसे खास बात यह रही कि इसमें विचार धाराओं से ऊपर उठकर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के पार्षदों ने हस्ताक्षर किए हैं। हस्ताक्षर करने वालों में प्रमुख रूप से पार्षद संजीव सिंह, तरुण कुमार, निर्मल पटेल, प्रमोद कुमार, मेवा पटेल, पुसई बाई, रेखा बाई सहारे, मालती निषाद, भूपेंद्र श्रीवास, शिवांगी, मोनिका, कालिन्द्री तिवारी, सुमरीत उर्वशा, मोइनुद्दीन राजा, पूनम सोरी, पवेन्द्र कुमार कोड़ापा, प्रदीप बाघ और टी. ज्योति शामिल हैं। सभी जनप्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से पुलिस प्रशासन से अपील की है कि वे इस मामले में किसी भी राजनैतिक दबाव में न आएं और वीरेंद्र साहू के भ्रामक बयानों की सूक्ष्मता से जांच करें।

भीषण गर्मी में सतर्क रहें, लू से बचें, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

बेमेतरा। स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा जिले में बढ़ते तापमान और गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अमृत लाल रोहलेडर ने आम नागरिकों से अपील की है कि गर्मी के मौसम में विशेष सावधानी बरतें, क्योंकि लू लगने से स्वास्थ्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

लू के लक्षण - स्वास्थ्य विभाग के अनुसार गर्मी बढ़ने के साथ लू लगने की घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है। सीएमएचओ ने बताया कि लू लगने पर सिर में भारीपन और दर्द, तेज बुखार, मुंह सूखना, चक्कर आना, उल्टी होना, कमजोरी और शरीर दर्द, शरीर का तापमान बढ़ने के बावजूद पसीना न आना, अत्यधिक प्यास लगना, पेशाब कम होना, भूख न लगना तथा बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। लू से बचाव के उपाय- सीएमएचओ ने बताया कि बहुत आवश्यक न हो तो लोग दोपहर के समय घर से बाहर न निकलें। धूप में जाने से पहले सिर और कान को कपड़े से अच्छी तरह ढंक लें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, लंबे समय तक धूप में न रहे और मुलायम, हल्के व सूती कपड़े पहनें, जिससे शरीर को ठंडक मिलती रहे। अधिक पसीना आने पर ओआरएस घोल पीना लाभकारी है। चक्कर या उल्टी आने की स्थिति में छायादार स्थान पर आराम करें और शीतल पेयजल, लस्सी, मठा अथवा फलों का रस लें।

लू लगने पर किया जाने वाला प्रारंभिक उपचार

लू लगने की स्थिति में प्रारंभिक उपचार के तौर पर पीड़ित व्यक्ति को ठंडी और छायादार जगह पर लिटाना चाहिए। उसके सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रखनी चाहिए तथा शरीर पर ठंडे पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए। कच्चे आम का पना, जलजीरा अथवा तरल पदार्थ देने चाहिए। साथ ही पीड़ित को शीघ्र ही नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाना चाहिए। ओआरएस के पैकेट के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन या एएनएम से संपर्क किया जा सकता है।

क्या करें

सीएमएचओ ने बताया कि गर्मी से बचाव के लिए पर्याप्त पानी पीना जरूरी है, भले ही प्यास न लगे। हालांकि जिन लोगों को हिर्गी, हृदय, गुर्दे या लीवर संबंधी बीमारी हो तथा जिन्हें तरल सेवन सीमित रखने की सलाह दी गई हो, वे तरल मात्रा बढ़ाने से पहले डॉक्टर से परामर्श लें। ओआरएस, छाछ, लस्सी, नींबू पानी जैसे घरेलू पेय पदार्थों का सेवन शरीर को हाइड्रेटेड रखने में सहायक है।

स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे खुद भी सावधानी बरतें और बच्चों, बुजुर्गों तथा बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें, ताकि लू से बचाव संभव हो सके।

क्या न करें-

स्वास्थ्य विभाग ने यह भी सलाह दी है कि धूप में नंगे पांव बाहर न निकलें, दोपहर के समय भोजन पकाने से बचें तथा शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड शीतल पेयों का सेवन कम करें, क्योंकि ये शरीर को निर्जलित करते हैं। अधिक प्रोटीन युक्त भोजन से भी परहेज करने की सलाह दी गई है।

बालकों की सुरक्षा कब होगी सुनिश्चित, यौन उत्पीड़न से तंग नाबालिग ने ली संगीत शिक्षक की जान

कवर्धा। कबीरधाम जिले में चर्चित संगीत शिक्षक सत्यम मानिकपुरी हत्याकांड के खुलासे ने पूरे प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर में बाल सुरक्षा को लेकर गंभीर बहस छेड़ दी है। पुलिस जांच में सामने आया कि इस हत्याकांड को अंजाम देने वाला एक नाबालिग बालक है, जिसने कथित तौर पर लंबे समय से हो रहे यौन उत्पीड़न से तंग आकर यह कदम उठाया। यह मामला केवल एक हत्या का नहीं, बल्कि समाज के उस कड़वे सच का आईना है, जिस पर अक्सर चर्चा ही नहीं होती। देश में जब भी यौन उत्पीड़न की बात होती है तो अधिकतर ध्यान लड़कियों और महिलाओं की सुरक्षा पर केंद्रित रहता है, लेकिन यह घटना साफ संकेत दे रही है कि लड़के भी यौन शोषण के शिकार हो रहे हैं, परंतु उनकी पीड़ा अक्सर अनदेखी रह जाती है। पुलिस के अनुसार, इस हत्याकांड की जांच लगभग दो माह तक चली । गहन पड़ताल के बाद सामने आया कि आरोपी नाबालिग लंबे समय से मानसिक और सामाजिक दबाव में था। आरोप है कि वह कथित यौन उत्पीड़न से परेशान था, जिसके चलते उसने आवेश में आकर यह खौफनाक कदम उठा लिया। इस घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए

हैं–क्या समाज में बालकों के यौन उत्पीड़न को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। क्या पीड़ित बालकों के लिए परामर्श और शिकायत की सुरक्षित व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। क्या स्कूलों और सामाजिक संस्थाओं में बच्चों की सुरक्षा को लेकर जागरूकता और निगरानी तंत्र कमजोर है। विशेषज्ञों का मानना है कि POCSO कानून बच्चों के साथ होने वाले हर प्रकार के यौन अपराध को रोकने के लिए बनाया गया है, जिसमें लड़के और लड़कियां दोनों समान रूप से संरक्षित हैं। इसके बावजूद समाज में जागरूकता की कमी और शर्म-संकोच के कारण कई मामले सामने ही नहीं आ पाते। कबीरधाम की यह घटना एक बार फिर चेतावनी दे रही है कि बाल सुरक्षा का मुद्दा केवल एक वर्ग या लिंग तक सीमित नहीं है। यदि समय रहते ऐसे मामलों को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो समाज में दबे हुए दर्द और आक्रोश कभी-कभी इसी तरह के खौफनाक परिणाम के रूप में सामने आते रहेंगे। फिलहाल पुलिस ने आरोपी नाबालिग को अभिरक्षा में लेकर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं यह घटना प्रशासन, शिक्षा संस्थानों और समाज के लिए एक कड़ा संदेश है कि बच्चों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर संवेदनशीलता और ठोस व्यवस्था अब समय की सबसे बड़ी जरूरत बन चुकी है।

ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में अनीता शिंदे ने किया पदक हासिल

बालोद। चंडीगढ़ में 05 से 10 मार्च तक आयोजित ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में दल्लीराजहरा की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं कोच अनीता शिंदे ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किया। उनके मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त खिलाड़ियों ने भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार सफलता प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। खेलो इंडिया महिला लीग में कुमारी निकिता ने स्वर्ण पदक तथा कुमारी हेमा ने कांस्य पदक प्राप्त किया। वहीं अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता में कुमारी मोनिका धुर्वे ने स्वर्ण पदक के साथ-साथ बेस्ट महिला खिलाड़ी का खिताब भी अपने नाम किया। इन उपलब्धियों के बाद सभी महिला खिलाड़ी कलेक्ट्रेट पहुँचकर कलेक्टर दिव्या मिश्रा से मुलाकात की और अपनी उपलब्धियों एवं अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर कलेक्टर मिश्रा ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने कहा कि जिले की बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने खिलाड़ियों को आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान खिलाड़ियों ने बताया कि आगामी राष्ट्रीय ट्राइबल वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता, जो 26 से 29 मार्च तक राजधानी रायपुर में आयोजित होने जा रही है, उसमें दल्ली राजहरा के पांच खिलाड़ियों कुमारी निकिता, कुमारी मोनिका, कुमारी किरण पोटाई, कुमारी आशा गोंड और सौरभ कुमार का चयन हुआ है। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने सभी चयनित खिलाड़ियों को इस प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से एक बार फिर जिले का नाम गौरवान्वित करेंगे।

खदान श्रमिक संघ ने लंबित मांगों को लेकर महाप्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ के नेतृत्व में दल्ली यंत्रीकृत खदान के श्रमिकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर महाप्रबंधक विपिन कुमार को एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन मेसर्स अंसारी कंस्ट्रक्शन द्वारा की जा रही लगातार अनियमितताओं और श्रमिकों के आर्थिक शोषण के विरोध में दिया गया है। वेतन और बोनस भुगतान में भारी लापरवाही के बारे में संघ के प्रतिनिधियों ने महाप्रबंधक को बताया कि सेन्ट्रल और फील्ड गैरेज में कार्यरत कर्मचारियों को ठेका कंपनी द्वारा पिछले 17 महीनों से समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है। नियमानुसार माह की 7 तारीख तक भुगतान अनिवार्य है, परंतु ठेकेदार द्वारा इसमें लगातार देरी की जा रही है। इसके साथ ही, डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी श्रमिकों को उनके बोनस की पूरी राशि प्राप्त नहीं हुई है और 12 माह का ई.एल. (अर्जित अवकाश) भुगतान भी लंबित है। बुनियादी सुविधाओं का अभाव और प्रबंधन की चुप्पी ज्ञापन में प्रमुखता से उठाया गया कि ठेकेदार द्वारा न तो कर्मचारियों के गेटपास का समय पर

नवीनीकरण कराया जा रहा है और न ही अब तक उनकी मेडिकल बुक तैयार की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ ने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायत के बावजूद स्थानीय प्रबंधन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे श्रमिकों में गहरा असंतोष व्याप्त है। महाप्रबंधक विपिन कुमार को ज्ञापन सौंपते समय संघ के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि श्रमिकों की इन जायज मांगों का निराकरण तत्काल नहीं किया गया और ठेकेदार की मनमानी पर रोक नहीं लगी, तो संघ श्रमिकों के हित में उग्र आंदोलन और कार्य बंद करने जैसे कदम उठाने के लिए बाध्य होगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ के पदाधिकारी अध्यक्ष राजेंद्र बेहरा, महासचिव अनिल कुमार यादव, सेन्ट्रल गैरेज और फील्ड गैरेज से पालसिग,देवराम साहू, केशु राम,दिलीप साहू, रामाधर, किर्तन देवागन, सचिन मिश्रा, लव कुमार, सिराज खान,रमेश शर्मा, रूप सिंग, हिरा दास, अमर सिंग, मनोज, राजेश, नारद, शिव शंकर, राकेश साहू, अकरम खान, दिनेश, धनशाय, कैलाश, बृज मोहन, गोविंद, हितेश, जोहर लाल, संतोष तिवारी, शंकर बोरकर श्रमिक उपस्थित थे।

गौधाम संचालन के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित

बेमेतरा। कार्यालय उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, जिला बेमेतरा द्वारा गौधाम संचालन के लिए रुचि की अभिव्यक्ति के अंतर्गत आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इसके लिए ईओआई जारी करने की तिथि 23 फरवरी निर्धारित की गई थी। निर्धारित प्रपत्र में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 23 मार्च दोपहर 03 बजे तक रखी गई है। इच्छुक संस्थाएँ अपना आवेदन कार्यालय उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएँ, जिला बेमेतरा (छत्तीसगढ़) में कार्यालयीन दिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक जमा कर सकती है। निराश्रित गोवंश के संरक्षण का उद्देश्य गौधाम संचालन का मुख्य उद्देश्य निराश्रित एवं घुमंतू गौवंशीय पशुओं की देखभाल, संरक्षण और सुव्यवस्थित प्रबंधन सुनिश्चित करना है। गौधाम में निराश्रित एवं घुमंतू गौवंशीय पशुओं के साथ-साथ गृह विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परीक्षण अधिनियम 2004 (संशोधित 2011) तथा छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण नियम 2014 के अंतर्गत जप्त किए गए गौवंशीय पशुओं को रखा जाएगा। जिला बेमेतरा के अंतर्गत राष्ट्रीय एवं राज्यकीय राजमार्गों पर स्थित गौठानों में गौधाम की स्थापना की जाएगी, जिससे पशुओं को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराया जा सके।

महिला कांग्रेस द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया होली मिलन समारोह

बेमेतरा। जिला महिला कांग्रेस बेमेतरा द्वारा दुर्ग रोड स्थित सिंघौरी के स्वाद रेस्टोरेंट में होली मिलन समारोह का आयोजन बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में जिले भर से महिला कांग्रेस की बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुईं और आपसी प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे के साथ रंगों के इस पावन पर्व को मनाया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने पर्यावरण एवं स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए हर्बल गुलाल से होली खेली। इस अवसर पर होली के पारंपरिक गीतों की मधुर धुनों पर महिलाओं ने गीत गाए और नृत्य कर पूरे वातावरण को रंगमय और आनंदमय बना दिया। उपस्थित महिलाओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को और भी रोचक बनाने के लिए महिलाओं के लिए कई मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। इनमें कुर्सी दौड़, गीत-संगीत, प्रश्नोत्तरी सहित कई मजेदार प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें महिला कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। होली मिलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा उपस्थित रहे। उन्होंने महिला कांग्रेस की सभी बहनों को होली मिलन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी महिला कार्यकर्ताओं की सराहना की। प्रतियोगिताओं में फर्स्ट एंट्री पुरस्कार पूर्व पार्षद उषा साहू को मिला। चीट उद्घाओ प्रतियोगिता में ममता चेलक विजेता रहीं, वहीं छत्तीसगढ़ी आभूषणों के नाम बताने की प्रतियोगिता में शशि प्रभा गायकवाड़ को विशेष पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा क्वीन ऑफ द इवनिंग का पुरस्कार जनपद अध्यक्ष माधुरी रवि परगनिया को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रश्मि मिश्रा, बेरला जनपद अध्यक्ष माधुरी रवि परगनिया, जिला पंचायत सदस्य शशि प्रभा गायकवाड़, जिला पंचायत सदस्य बालकुमारी ध्रुव, कांग्रेस महामंत्री रूबी सलूजा, जनपद सभापति सीमा टिकरिया, शहर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष जनता साहू, शहर कांग्रेस महामंत्री हेमिन यादव, पूर्व पार्षद उषा साहू, जनपद सदस्य प्रेमलता मंडावी, जनपद सदस्य विद्या रात्रे, बेमेतरा नगरपालिका पूर्व अध्यक्ष शकुंतला साहू,महिला कांग्रेस नेत्री योगिता साहू, शेलू यादव, पत्रिका कौशल, सीमा साहू, देवकी पाठक, ममता चेलक, एलाला चतुर्वेदी, भारती साहू, बिकु मानिकपुरी सहित बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

जिले में शिशु संरक्षण माह 17 मार्च से 21 अप्रैल तक चलेगा यह अभियान

मंगलवार और शुक्रवार को आंगनबाड़ी केंद्र एवं स्वास्थ्य केंद्रों में पिलाई जाएगी विटामिन ए और आयरन की सिरप

बेमेतरा। स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा शिशु संरक्षण माह अर्धवार्षिक विटामिन ए अनुपूरक कार्यक्रम 17 मार्च से 21 अप्रैल तक पूरे एक माह तक प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को नियमित टीकाकरण दिवस पर आयोजित किया जायेगा। जिसका जिला स्तरीय शुभारंभ आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-01 वार्ड क्रमांक 14 सिंघौरी, बेमेतरा में आज दिनांक 17 मार्च 2026 को माननीय टाकेश्वर साहू , पार्षद, वार्ड क्रमांक-14 एवं प्रकाश ठाकुर , पार्षद वार्ड क्रमांक-13, नगर पालिका बेमेतरा के गरिमामयी उपस्थिति में बच्चों को विटामिन-ए सिरप पिलाकर एवं आई.एफए. की सिरप का वितरण करके किया गया,उक्त अवसर पर डी आई ओ डॉ शरद कोहाड़े स्वयं उपस्थित रहे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि अभियान के दौरान शिशु स्वास्थ्य संवर्धन से संबंधित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की गतिविधियों का सफल संचालन व सेवाओं की प्रदायगी व सुदृढ़ीकरण किया जावेगा। शिशु संरक्षण माह कार्यक्रम के तहत 6 माह से लेकर 05 वर्ष के कुल 96366 बच्चे जिन्हे आयरन सिरप देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इसी प्रकार 09 माह से 05 वर्ष तक के कुल 91014 बच्चों को विटामिन ए सिरप की खुराक समस्त शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं आंगनबाडी केन्द्रों एवं टीकाकरण सत्र स्थल पर प्रदाय करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिले में उक्त सेवाएं निःशुल्क प्रदाय किया जायेगा जो कि मंगलवार एवं शुक्रवार को स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, मितानिनों द्वारा दी जायेगी, अभियान के दौरान गंभीर कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन करते हुए उन्हे पोषण पुनर्वास केन्द्र जिला चिकित्सालय बेमेतरा में पोषण आहार की प्रदायगी सहित पूनर्वास हेतु भर्ती किया जायेगा, इसके साथ ही बच्चों का हिमोग्लोबिन जांच, गर्भवती माताओं की जांच एवं बच्चों का टीकाकरण नियमित रूप से किया जायेगा। कलेक्टर सुप्रतिष्ठा ममगाई के द्वारा सभी जिलेवासीयों को शिशु संरक्षण माह में अपने 6 माह से 5 वर्ष तक आयु के बच्चों को विटामिन 'ए' और आयरन सिरप की खुराक देने और निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं जो कार्यक्रम के दौरान दी जायेगी उनका लाभ लेने हेतु अपील किया गया।

संक्षिप्त समाचार

तेज आवाज में गाना बना बवाल, घर में घुसकर मारपीट-तोड़फोड़ करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के डी.डी. नगर इलाके में तेज आवाज में गाना बजाने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि पड़ोस के कुछ लोग जबरन घर में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए मारपीट व तोड़फोड़ की। घटना में एक युवक पर ब्लेड से हमला भी किया गया। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस के अनुसार इंद्रप्रस्थ कॉलोनी निवासी प्रार्थी ने थाना डी.डी. नगर में शिकायत दर्ज कराई कि 15 मार्च की रात करीब 9 बजे वह अपने भाई और दोस्तों के साथ घर में बैठकर टीवी पर गाने सुन रहा था। रात करीब 10.30 से 11 बजे के बीच कुछ लोगों ने घर का दरवाजा जोर-जोर से पीटना शुरू कर दिया। दो बार दरवाजा पीटने के बाद तीसरी बार आरोपियों ने दरवाजे को लात मारकर खोल दिया और जबरदस्ती घर के अंदर घुस आए।घर में घुसते ही आरोपियों ने तेज आवाज में टीवी चलाने को लेकर विवाद शुरू कर दिया और अश्लील गालियां देते हुए प्रार्थी, उसके भाई और दोस्तों के साथ मारपीट करने लगे। इसी दौरान आरोपियों ने घर में रखे टीवी को भी तोड़ दिया। झगड़े के बीच एक आरोपी ने प्रार्थी के भाई आर्यन ठावरे के बाएं कान के पास ब्लेड से वार कर उसे घायल कर दिया।घटना की रिपोर्ट पर डी.डी. नगर थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पीड़ितों से पूछताछ और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की और संभावित ठिकानों पर दबिश दी।पुलिस की कार्रवाई में मामले में शामिल तीन आरोपी कुबेर प्रसाद वर्मा (40 वर्ष), चंदन गुप्ता (33 वर्ष) और विष्णु प्रसाद वर्ममा (43 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया गया। तीनों आरोपी इंद्रप्रस्थ फेस-2 क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

फ्लोरामैक्स ठगी मामले में राष्ट्रीय जनजाति आयोग सख्त, मुख्य सचिव को तलब

रायपुर। छत्तीसगढ़ में फ्लोरामैक्स कंपनी के नाम पर महिलाओं से हुई कथित ठगी के मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। भाजपा के वरिष्ठ आदिवासी नेता और पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर की शिकायत पर आयोग ने प्रदेश के मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। ननकी राम कंवर ने आरोप लगाया था कि फ्लोरामैक्स कंपनी के नाम पर 40 हजार से अधिक महिलाओं से अरबों रुपये की ठगी की गई है। इस मामले में कोरबा के तत्कालीन कलेक्टर अजीत बसंत पर शासन और आयोग को गलत जानकारी देने का भी आरोप लगाया गया है। बताया जा रहा है कि 16 अक्टूबर 2025 को आयोग ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को पीड़ित महिलाओं की शिकायतों पर कार्रवाई करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। हालांकि 30 दिन बीत जाने के बाद भी राज्य सरकार की ओर से आयोग को कोई जानकारी नहीं भेजी गई। इस पर आयोग ने स्वत: संज्ञान लेते हुए 17 मार्च को मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने के निर्देश जारी किए हैं। वहीं ननकी राम कंवर ने कहा है कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (हजारू) से जुड़ी हजारों महिलाओं के साथ ठगी हुई है, जिससे योजना की छवि को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने इस मामले में दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने और पूरे मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी सीबीआई से कराने की मांग की है।

रायपुर में सर्व ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन सम्पन्न, 250 से अधिक पंजीयन

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन छत्तीसगढ़ एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में श्री दूधाधारी सत्संग भवन, मठपारा में सर्व ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सहित अन्य प्रदेशों से आए 250 से अधिक युवक-युवतियों का पंजीयन किया गया, जिन्हें मिलन-2026 स्मारिका में प्रकाशित किया गया। सम्मेलन के दौरान पंजीयन कराने वाले परिवार मंच पर आकर अपना परिचय दिया। इस अवसर पर कई परिवारों ने पसंद के रिश्तों को लेकर आपसी चर्चा भी की। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के युवक-युवतियों को एक मंच पर लाकर योग्य वर-वधु के चयन की प्रक्रिया को सरल बनाना बताया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के सम्मेलन समाज को एकजुट करने के साथ-साथ योग्य जीवनसाथी के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी परिवारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सम्मेलन के माध्यम से उनका उद्देश्य पूरा हो और योग्य वर-वधु का चयन हो सके। विशेष अतिथि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने वर्तमान समय में परिचय सम्मेलनों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वहीं पूर्व पार्षद मृत्युंजय दुबे ने कहा कि संगठन द्वारा सभी वर्गों और दलों के विप्र प्रतिनिधियों को साथ लेकर गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

मातृ वंदन योजना में छत्तीसगढ़ ने ऐसे ही नहीं मारी बाजी

शिकायतों का तेज निराकरण कर हासिल किया पहला स्थान

- प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से सुरक्षित मातृत्व को दिया जा रहा बढ़ावा : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय
- आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से लेकर राज्य स्तर के अधिकारियों ने सेवा, समर्पण और दृढ़ निश्चय से हासिल की उपलब्धि

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना को लाभार्थियों तक पहुंचाने में छत्तीसगढ़ अव्वल रहा है। इससे एक बार फिर साबित हुआ है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार न सिर्फ जनकल्याणकारी योजनाओं को तेजी से अमल में लाती है, बल्कि प्रशासनिक सक्रियता से उसे हर तबके तक समय पर पहुंचाने के अपने वादे को पूरा करती है। गर्भवती महिलाओं को प्रसव के दौरान पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रोत्साहित करने की इस केंद्रीय योजना के तेजी से क्रियान्वयन और शिकायतों का त्वरित निपटान कर छत्तीसगढ़ ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। यह सिर्फ एक सरकारी योजना का राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वयन भर नहीं है, बल्कि इसके पीछे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से लेकर पर्यवेक्षक, परियोजना अधिकारी और राज्य स्तर के अधिकारियों तक के सेवा, समर्पण और दृढ़ निश्चय से हासिल की गई उपलब्धि है। जच्चा एवं बच्चा का

स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ का प्रथम स्थान इस दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है। प्रशासनिक अमले द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लगातार मॉनिटरिंग की गई और लाभार्थियों के पंजीयन पर मुख्य रूप से फोकस किया गया। इस योजना का लाभ लेने के लिए वर्ष 2023-24 में जहां 1,75,797 गर्भवती महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया था, वहीं वर्ष 2024-25 में 2,19,012 रजिस्ट्रेशन किए गए। इसे ही लक्ष्य मानते हुए वर्ष 2025-26 में फरवरी तक 2,04,138 महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया जो लक्ष्य का 93.3 प्रतिशत है। रजिस्ट्रेशन के बाद इसे तुरंत मंजूरी देने पर फोकस किया गया। तय प्रक्रिया के अनुसार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा फार्म भरने, पर्यवेक्षक द्वारा इसके सत्यापन और परियोजना अधिकारी और राज्य स्तर पर मंजूरी देने में तेजी लाई गई। भरे गए आवेदनों के 83 प्रतिशत का परीक्षण कर इसे भुगतान के लिए केंद्र सरकार को भेजा गया। केंद्र से छत्तीसगढ़ को मिली स्वीकृति की दर भी सबसे ज्यादा 83.87 रही है। इसके बाद तीसरी कैटेगरी शिकायतों के निराकरण के संबंध में आंकड़ों का परीक्षण किया गया। लाभार्थियों की ज्यादातर शिकायतें भुगतान न होने को लेकर थी। इस पर तत्काल ध्यान दिया गया और कोई कमी थी तो उसे दूर किया गया। हालांकि राज्य सरकार ने सभी शिकायतों का निराकरण कर दिया गया, लेकिन केंद्र सरकार के आंकड़ों में 30 दिन से ज्यादा लंबित शिकायतों की संख्या 7 प्रतिशत पाई गई है। इसके बावजूद 93 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण कर राज्य पहले स्थान पर रहा। यदि तीन वर्षों के आंकड़ों को देखा जाए तो छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत कुल 5,98,947 गर्भवती महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया, जिनमें से 5,40,624 को स्वीकृति दे दी गई। गर्भवती महिलाओं को प्रसव के दौरान और उससे पूर्व पौष्टिक आहार व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार इस योजना के तहत 5 हजार रुपये और दूसरी बेटी के जन्म पर एकमुश्त 6 हजार रुपये देती है। यह राशि तीन किस्तों में दी जाती है।

विदेशी मुद्रा के नाम पर 19 लाख की ठगी पश्चिम बंगाल का शातिर आरोपी गिरफ्तार

रायपुर/ संवाददाता

विदेशी मुद्रा के नाम पर टूर एंड ट्रैवल्स व्यवसायी से करीब 19 लाख रुपये की ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के एक शातिर आरोपी को रायपुर पुलिस ने पश्चिम बंगाल के हावड़ा से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से 4.50 लाख रुपये नकद और एक आईफोन जब्त किया गया है।पुलिस के अनुसार गुरुनानक नगर, तेलीबांधा निवासी हरदीप सिंह होरा ने थाना तेलीबांधा में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह ट्रैवल प्लानर नाम से टूर एंड ट्रैवल्स का व्यवसाय करता है। 1 मार्च 2026 को उसे एक व्हाट्सएप कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाले ने अपना नाम हर्षित अग्रवाल बताते हुए अमेरिका और लंदन में होटल बुकिंग कराने की बात कही। बातचीत के दौरान उसने बैंक खाता विवरण भी ले लिया और अगले दिन भुगतान करने की बात कही।2 मार्च को आरोपी ने प्रार्थी को करेंसी टॉवर स्थित जेनेट को-वर्किंग स्पेस में बुलाया और 18 हजार अमेरिकी डॉलर तथा 2 हजार ब्रिटिश पाउंड साथ लाने को कहा। वहां मौजूद व्यक्ति ने नोट गिनने की मशीन लाने का बहाना किया, जबकि फोन पर बातचीत में उलझाकर दूसरा आरोपी विदेशी मुद्रा लेकर फरार हो गया। इस तरह आरोपियों ने लगभग 19 लाख 47 हजार रुपये की ठगी को अंजाम दिया।मामले को गंभीरता से लेते हुए डीसीपी क्राइम एवं साइबर स्मृतिक राजनाला और डीसीपी मध्य जोन उमेश प्रसाद गुप्ता के निर्देश पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल नंबरों की जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस को आरोपियों का सुराग पश्चिम बंगाल तक मिला।पुलिस टीम ने हावड़ा में दबिश देकर आरोपी प्रोसेनजित चक्रवर्ती (पिता प्रणव चक्रवर्ती), उम्र 38 वर्ष, निवासी 18 ओला बीबीतला लेन, थाना चटर्जी हाट, सिबपुर, जिला हावड़ा (पश्चिम बंगाल), पिन 711104 को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर विदेशी मुद्रा के नाम पर ठगी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 4.50 लाख रुपये नकद और घटना से संबंधित एक आईफोन जब्त किया है।

छात्रावास की छात्राओं के संबंध में प्रसारित खबर भ्रामक एवं तथ्यहीन

रायपुर। पोर्टा केबिन हाई स्कूल छात्रावास की तीन छात्राएँ गर्भवती हैं। इस संबंध में शिक्षा विभाग द्वारा मामले की तथ्यात्मक जांच कराई गई, जिसमें उक्त खबर भ्रामक एवं निराधार पाई गई है। उक्त मामले में आज विधानसभा के सदन में सरकार की ओर से स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने भी स्पष्टीकरण देते हुए बताया कि मामले में प्रस्तुत तथ्यों की विस्तृत जांच की गई है। मंत्री ने कहा कि जिन तीन छात्राओं का उल्लेख किया जा रहा है, उनमें से दो छात्राएँ पोर्टा केबिन हाई स्कूल छात्रावास की निवासी नहीं हैं। वे स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय, गंगालूर में अध्ययनरत हैं और अपने घर से ही विद्यालय आना-जाना करती हैं। मंत्री ने आगे बताया कि समाचार में उल्लेखित तीसरी छात्रा पूर्व में पोर्टा केबिन हाई स्कूल छात्रावास में अध्ययनरत थी।

प्रदेश में आधुनिक स्वास्थ्य क्रांति की पहल

शासकीय अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम स्थापित करने की मांग-सांसद..

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के नागरिकों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ के प्रमुख शासकीय अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम की स्थापना की मांग की है।अपने पत्र में सांसद श्री अग्रवाल ने कहा है कि प्रदेश की बड़ी आबादी आज भी अपने उपचार के लिए शासकीय अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों पर ही निर्भर है। गरीब, श्रमिक, किसान, निम्न एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यही संस्थान स्वास्थ्य सेवाओं का सबसे बड़ा आधार हैं। किंतु वर्तमान समय में अधिकांश शासकीय अस्पतालों में सर्जरी के लिए मरीजों की लंबी प्रतीक्षा सूची एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। सीमित संसाधन, विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी और एक ऑपरेशन में लगने वाले अधिक समय के कारण मरीजों को कई-कई महीनों तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है।उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में जब वे क्षेत्र के लोगों से मिलते हैं, तो अनेक परिवारों की पीड़ा सामने आती है। ऑपरेशन की तारीख के लिए लंबी प्रतीक्षा के कारण कई मरीजों की बीमारी और अधिक जटिल हो जाती है। वहीं निजी अस्पतालों में सर्जरी का अत्यधिक खर्च गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए भारी आर्थिक संकट खड़ा कर देता है। कई परिवार अपनी जीवनभर की जमा पूंजी खर्च कर देते हैं, गहने बेचने पड़ते हैं और कई बार जमीन-जायदाद तक गिरवी रखनी पड़ती है।सांसद श्री अग्रवाल ने अपने पत्र में सुझाव दिया है।

डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर 1.25 करोड़ की ठगी,हरियाणा से मास्टरमाइंड गिरफ्तार

रायपुर/ संवाददाता

साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच रायपुर रेंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह के मुख्य आरोपी को हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पीड़ित को ठगी गई रकम में से 58 लाख रुपये वापस दिला दिए हैं, जबकि शेष राशि भी आरोपियों से जुड़े बैंक खातों में होल्ड करा दी गई है। जानकारी के अनुसार प्रार्थी सपन कुमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात मोबाइल नंबर से कॉल कर कुछ लोगों ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया। आरोपियों ने प्रार्थी के क्रेडिट कार्ड के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का झूठा मामला दर्ज होने की बात कहकर उसे भयभीत किया। इसके बाद आरोपियों ने प्रार्थी को 24 घंटे व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर जुड़े रहने के लिए मजबूर करते हुए कथित डिजिटल अरेस्ट में रखा और उससे करीब 1 करोड़ 25 लाख रुपये की ठगी कर ली। मामले में थाना विधानसभा में भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 3(5) और आईटी एक्ट की धारा 66(ष्ठ) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा के निर्देश पर रेंज साइबर थाना रायपुर की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच तेज कर दी। जांच में सामने आया कि ठगी की रकम को कई लेयर के बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इन खातों को चिन्हित कर राशि होल्ड करा दी। आगे की कानूनी प्रक्रिया के बाद माननीय न्यायालय के आदेश से 58 लाख रुपये की राशि पीड़ित को वापस दिला दी गई है, जबकि शेष रकम भी आरोपियों से जुड़े खातों में होल्ड कर दी गई है। तकनीकी जांच के दौरान पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी की पहचान कर ली, जो वारदात के बाद लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम को दिल्ली और हरियाणा भेजा गया। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी सोमनाथ महतो को गुड़गांव, हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी सोमनाथ महतो (27 वर्ष) पिता मनोज महतो, आर मंगलम यूनिवर्सिटी, सोहना, गुड़गांव हरियाणा का निवासी है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत साइबर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सड़क सुरक्षा पर जागरूकता अभियान का आयोजन सुरक्षित भव फाउंडेशन की नई पहल

रायपुर। राजधानी में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सुरक्षित भव फाउंडेशन द्वारा होटल बेबीलोन कैपिटल में विशेष सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान औपचारिक रूप से 'रोड सेफ्टी क्लब' का शुभारंभ भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और नागरिकों ने भाग लेकर सड़क सुरक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों और अधिकारियों ने प्रतिभागियों को सुरक्षित ड्राइविंग, यातायात नियमों के पालन और सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने और ट्रैफिक सिग्नलों का सम्मान करने जैसे महत्वपूर्ण नियमों पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही दुर्घटना की स्थिति में घायलों को प्राथमिक उपचार देने, एम्बुलेंस को तत्काल सूचना देने और समय पर सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी समझाई गई। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विवेक शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सतीश ठाकुर, रेड क्रॉस सोसाइटी के सहायक प्रबंधक देव प्रकाश कुर्रे।

बस्तर की बेटियों के लिए सुरक्षा कवच :एचपीवी टीकाकरण अभियान का भव्य आगाज़

रायपुर/ संवाददाता

बस्तर जिले की बेटियों को भविष्य की गंभीर बीमारियों से सुरक्षित करने की दिशा में सोमवार को एक ऐतिहासिक और आधुनिक अध्याय जुड़ गया। जिला चिकित्सालय महारानी अस्पताल में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। शहर के प्रथम नागरिक और महापौर श्री संजय पांडेय ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अभियान की शुरुआत की, जहाँ कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के कुशल मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम ने इस मिशन को धरातल पर क्रियान्वयन शुरू किया। यह अभियान न केवल स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि तकनीकी रूप से भी बेहद उन्नत है, क्योंकि इसमें यू-विन पोर्टल का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह और किशोरियों को संबोधित करते हुए महापौर श्री संजय पांडेय ने कहा कि यह दिन बस्तर की बेटियों के उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि सर्वाइकल कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से बचाव का यह टीका बाजार में महंगा है, इसके बावजूद बेटियों के अनमोल स्वास्थ्य की रक्षा हेतु शासन द्वारा इसे पूरी तरह से निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि यह टीका हमारी बेटियों के लिए एक अभेद्य सुरक्षा कवच है क्योंकि सरकार और प्रशासन का लक्ष्य केवल इलाज करना नहीं, बल्कि बीमारी को जड़ से रोकना है। महापौर ने सभी अभिभावकों से भावुक अपील करते हुए कहा कि वे अपनी 14 से 15 वर्ष की बेटियों का टीकाकरण अवश्य कराएं, क्योंकि यह न केवल एक स्वास्थ्य अभियान है, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक डिजिटल क्रांति भी है, जहाँ टीकाकरण के तुरंत बाद उन्हें ई-सर्टिफिक्रेट प्राप्त हो रहा है। उन्होंने शासन के इस महत्वपूर्ण योजना की जानकारी घर-घर तक उपलब्ध कराने पर जोर दिया। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान किशोरियों का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया गया, जिसमें पूरी प्रक्रिया का डिजिटल प्रबंधन यू-विन पोर्टल के माध्यम से किया गया। पंजीकरण से लेकर टीकाकरण के पश्चात डिजिटल ई-सर्टिफिक्रेट प्रदान करने तक की पारदर्शी व्यवस्था ने इस अभियान को और भी प्रभावी बना दिया है। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति ने इस मिशन की गंभीरता को और पुख्ता किया। कार्यक्रम में नगर निगम सभापति श्री खेमसिंह देवांगन, महापौर परिषद के सदस्य श्री निर्मल पाणीग्राही, पार्षद स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. महेश सांडिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक, सिविल सर्जन डॉ. संजय प्रसाद, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रीना लक्ष्मी, शहरी स्वास्थ्य मिशन के पीडी बस्तिया मौजूद रहे।

नेशनल ट्राइबल गेम्स की तैयारियों की समीक्षा की

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार करें सभी खेल स्थलों को-विभागी सचिव यशवंत कुमार

- आयोजन की व्यवस्थाओं में लगे विभागों को दिए आवश्यक निर्देश, समय से पहले कर लें सभी इंतजाम
- छत्तीसगढ़ की संस्कृति और पर्यटन स्थलों से भी रू-ब-रू होंगे देशभर के खिलाड़ी व अधिकारी

रायपुर/ संवाददाता

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार ने छत्तीसगढ़ की मेजबानी में देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने आज रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संचालनालय में आयोजित बैठक में आयोजन की व्यवस्थाओं में लगे विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पर्याप्त समय रहते सभी इंतजाम पुख्ता रूप से सुनिश्चित करने को कहा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार ने बैठक में कहा कि खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स राष्ट्रीय महत्व और छत्तीसगढ़ की प्रतिष्ठा से जुड़ा आयोजन है। इससे संबंधित सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त, पुख्ता एवं चौक-चौबंद होने चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को कार्यों में तेजी लाते हुए पर्याप्त समय रहते सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयोजन के लिए चिन्हांकित सभी खेल स्थलों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार करने को कहा। विभागीय सचिव श्री कुमार ने खेल मैदानों, खिलाड़ियों के ठहरने की जगहों, विमानतल और रेल्वे स्टेशन पर पर्याप्त संख्या में स्टॉफ तैनात करने के निर्देश दिए, ताकि आयोजन में भाग लेने पहुंचने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के अधिकारियों को ट्राइबल गेम्स में हिस्सेदारी के लिए विभिन्न राज्यों से छत्तीसगढ़ आने वाले प्रतिभागियों को यहां की संस्कृति, पुरातत्व एवं कला की जानकारी देने के साथ ही पर्यटन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने को कहा।

संपादकीय

भारतीय रसोईघर तक आई ईरान-इजरायल युद्ध की आंच

दुनिया भर में युद्ध सैन्य मोर्चों पर लड़े जाते रहे हैं, लेकिन उसकी आंच में आम लोग झुलसते हैं। ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद इस युद्ध का दायरा जिस स्वरूप में फैला है, उसका असर अब आशंका के अनुरूप सामने आना शुरू हो चुका है। समस्या यह है कि दुनिया के ज्यादातर देश आमतौर पर हर समय इतनी पूर्व-सावधानी नहीं बरतते हैं कि युद्ध से उपजी आपात स्थिति से निपटने के लिए जरूरी उपायों को लेकर अपनी ओर से अगले कई महीनों के लिए पूरी तैयारी रखें। कई बार अचानक पैदा होने वाले हालात में पहले आपूर्ति का मोर्चा बाधित होता है। उसके बाद आम लोगों के जीवन-बसर के लिए अनिवार्य चीजों की कमी शुरू हो जाती है और फिर उसका असर बाहर भी दिखने लगता है, जिसमें लोगों के बीच रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की समस्या को लेकर चिंता ज्यादा बढ़ जाती है। इजराइल और अमेरिका के ईरान पर हमले के दस दिन बाद कई देशों में लगभग यही स्थिति बन रही है। जहां तक भारत का सवाल है, तो जब से ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते को रोका है, तब से तेल टैंकरों की आवाजाही और गैस की आपूर्ति भी व्यापक रूप से बाधित हुई है। इसके अलावा, ईरान ने जवाबी हमले के तौर पर जिस तरह खाड़ी के कई देशों के तेल रिफाइनरियों पर हमले किए, उसके बाद कच्चे तेल का संकट ज्यादा गहरा गया है।हालांकि होर्मुज मार्ग पर ईरान के रुख के बाद यह साफ हो गया था कि अगर यह युद्ध थोड़ा लंबा खिंचा, तो दुनिया के कई देश इससे बुरी तरह प्रभावित होंगे। तेल और गैस के अभाव की वजह से न सिर्फ आम जनजीवन में अफरा-तफरी पैदा होगी, बल्कि बड़े पैमाने पर आर्थिक संकट खड़ा होगा। इसी क्रम में भारत में अब यह साफ दिखने लगा है कि अगर सरकार की ओर से जल्दी ही कोई उपयुक्त कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति जटिल हो सकती है।दरअसल, युद्ध की आंच अब भारत में रसोईघरों और व्यापार तक पहुंचनी शुरू हो गई है। एलएनजी यानी तरल प्राकृतिक गैस और एलपीजी यानी तरल पेट्रोलियम गैस के मामले में भारत आमतौर पर आयात पर निर्भर रहा है। यही वजह है कि होर्मुज समुद्री रास्ते से तेल टैंकरों की आवाजाही बाधित होने के बाद भारत में अब एलपीजी की किल्लत का खतरा मंडराने लगा है और कई राज्यों में रेस्तरां तथा होटलों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति में मुश्किल शुरू हो गई है।साथ ही बाजार में खाने-पीने की चीजों से लेकर अन्य सामान की कीमतों में इजाफे की रफ्तार तेज हो गई है। असली समस्या रसोई गैस और अन्य सामान की आपूर्ति है, जिसमें भारी कमी की वजह से लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन रहा है। हालत यह है कि आने वाले दिनों में संकट गहराने की आशंका से ज्यादातर लोग एहतियातन एलपीजी सहित अन्य सामान लेने के लिए कतारों में खड़े दिखने लगे हैं।एक ओर, जरूरत से ज्यादा खरीदारी और दूसरी ओर कारोबारियों की अवैध जमाखोरी या भंडारण की वजह से कालाबाजारी और महंगाई जैसे संकट के मद्देनजर सरकार को आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू करना पड़ा है। मगर यह सुनिश्चित करना भी सरकार की जिम्मेदारी है कि रसोई गैस या परिवहन इस हद तक नियंत्रित न हो कि इससे रोजमर्रा की अनिवार्य गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।यह भी देखने की जरूरत होगी कि अगर जरूरी वस्तुओं की कमी का संकट गहराया, तो वैकल्पिक स्रोतों से उसे कैसे पूरा किया जाएगा।

ट्रम्प ने भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न वस्तुओं के निर्यात पर भी 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया एवं 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ यह कहते हुए लगाया कि भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात करता है एवं इसे प्रसंस्कृत करने के उपरांत यूरोपीय देशों को पेट्रोल एवं डीजल के रूप में निर्यात करता है। इस प्रक्रिया में ट्रम्प ने यह निष्कर्ष निकाला भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल को खरीदने से रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले को बल मिलता है और भारत इस युद्ध को अप्रत्यक्ष रूप से फंडिंग कर रहा है। इस प्रकार, भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर दिनांक 27 अगस्त 2025 से 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया है। इससे भारत के पूंजी (शेयर) बाजार में हाहाकर मच गया एवं विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार भारत से अपने निवेश को निकाल रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

(प्रह्लाद सबनानी)

दरअसल, अमरीका की नजर वेनेजुएला के कच्चे तेल के अपार भंडार पर है। जिस पर अमेरिका अपना कब्जा स्थापित करते हुए इसके उपयोग पर अपना नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। साथ ही, डेनमार्क के नियंत्रण में एक द्वीप, ग्रीनलैंड पर अमेरिका अपना आधिपत्य स्थापित करना चाहता है। इसी प्रकार की धमकियां, मेक्सिको, क्यूबा, ईरान आदि देशों को भी दी गई हैं।

ट्रम्प के उक्त प्रकार के निर्णयों के चलते अब तो वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच आपसी सम्बंधो पर प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत भी अछूता नहीं रहा है एवं हाल ही के समय में भारत के अमेरिका के साथ सम्बन्धों में कुछ खटास आई है। अन्यथा, कुछ समय पूर्व तक भारत एवं अमेरिका एक दूसरे के रणनीतिक साझेदार माने जाते रहे हैं। विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार रहा है। भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात के मामले में भी अमेरिका प्रथम स्थान पर हैं। श्री ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लागू किए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के उपरांत भारत का विदेश व्यापार कुछ हद तक विपरीत रूप से प्रभावित हुआ है। परंतु, भारत ने इस समस्या का हल निकालने की रणनीति पर तुरंत विचार करना प्रारम्भ किया एवं कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। ताकि, विशेष रूप अमेरिका को होने वाले वस्त्र एवं परिधान, जेम्स एवं ज्वेलरी, समुद्रीय पदार्थ, खिलौना उद्योग एवं चमड़ा उद्योग जैसे श्रम आधारित उद्योगों पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को तुरंत ही रोका जा सके अथवा कम किया जा सके। अन्यथा, की स्थिति में भारत में बेरोजगारी की समस्या एक ज्वलंत समस्या के रूप खड़ी हो सकती थी। भारत ने उक्त उत्पादों के निर्यात हेतु रूस, चीन, जापान, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के रूप में नए बाजार तलाशे एवं इन देशों को उक्त उत्पादों का निर्यात प्रारम्भ किया। वर्ष 2025 में भारत ने विदेशी व्यापार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए प्रमुख वैश्विक साझेदारों के साथ मौजूदा मुक्त व्यापार समझौतों पर गहन वार्ताओं और रणनीतिक अद्यतनों को अंतिम रूप देने का प्रयास किया है। वर्ष के अंत में, भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान एवं न्यूजीलैंड के साथ महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। इसके साथ ही, अफ्रीकी देशों एवं लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भी प्रारम्भिक वार्ताओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। इसका परिणाम यह हुआ है कि नवम्बर एवं दिसम्बर 2025 माह में भारत से विभिन्न वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि दर को बनाए रखने में सफलता मिली है। सितम्बर एवं अक्टोबर 2025 माह में विशेष रूप से अमेरिका को भारत से होने वाले वस्तुओं के निर्यात पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ा था। 27 जनवरी 2026 को तो भारत ने यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देकर इतिहास ही बना डाला है। इस समझौते को मदर आफ ऑल डील्स की संज्ञा दी जा रही है। यह मुक्त व्यापार समझौता 18 वर्षों के उपरांत सम्भव हो सका है। अब तो कनाडा के राष्ट्रपति भी मार्च 2026 माह में भारत आने वाले हैं एवं कुछ क्षेत्रों में मुक्त व्यापार समझौते के अंतिम रूप दिए जाने की प्रबल सम्भावना है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौतों का विश्व के अन्य देशों को सकारात्मक संदेश गया है। भारत वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है। इससे, समझौता करने वाले देशों के नागरिकों की आर्थिक स्थिति में सुधार होने की सम्भावनाएं प्रबल हो रही हैं क्योंकि इन देशों में आर्थिक प्रगति के तेज होने के चलते इन देशों में खुशहाली आने की सम्भावनाएं बन रही हैं। इस दृष्टि से विभिन्न देशों का भारत के प्रति दृष्टिकोण हाल ही के समय में बदला है एवं वे अब भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं।

भारत एक युवा देश है एवं विभिन्न उत्पादों के लिए भारत एक विशाल बाजार के रूप में विश्व के सामने उपलब्ध है। विशेष रूप से इस धरा के दक्षिणी भाग के देश तो अब भारत के वैश्विक स्तर पर इन देशों का नेतृत्व करने के लिए श्रद्धा के भाव से उम्मीद भारी नजरों से देख रहे हैं।

उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत के सामने भी कुछ समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं। जैसे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में डालर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत का लगातार गिरते जाना। एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की क़ीमत 92 रुपए के स्तर को भी पार कर गई है एवं वर्ष 2025 में भारतीय रुपए का लगभग 5 से 6 प्रतिशत के बीच अवमूल्यन हुआ है। दरअसल, यह समस्या, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय पूंजी (शेयर) बाजार से लगातार अपने निवेश को निकालने के चलते खड़ी हुई है। इससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर जाने का सिलसिला बढ़ गया है। इस समस्या के हल हेतु भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मात्रा को बढ़ाने का प्रयास लगातार कर रहा है। साथ ही, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात को भी गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि भारत में अमेरिकी डॉलर के आने की मात्रा में वृद्धि हो। यदि भारत को इन प्रयासों में सफलता मिलती है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव कुछ कम होगा।

ट्रम्प ने भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न वस्तुओं के निर्यात पर भी 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया एवं 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ यह कहते हुए लगाया कि भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात करता है एवं इसे प्रसंस्कृत करने के उपरांत यूरोपीय देशों को पेट्रोल एवं डीजल के रूप में निर्यात करता है।

अमेरिका में 20 जनवरी 2025 को डोनाल्ड ट्रम्प ने 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद से ही पूरी दुनिया में, विशेष रूप आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दी है। ट्रम्प ने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन - अमेरिका को पुनः महान बनायें - के नारे के साथ यह राष्ट्रपति चुनाव जीता था। अतः उन्होंने अमेरिका को एक बार पुनः विश्व के विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने का बीड़ा उठाया है। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु उन्होंने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ लगाने का निर्णय लेते हुए, इस निर्णय को शीघ्र ही लागू भी कर दिया। उनका सोचना था कि उनके इस निर्णय से विभिन्न उत्पादों के निर्यातक अमेरिका में इन उत्पादों को निर्यात करने के प्रति निरुत्साहित होकर इन उत्पादों का उत्पादन अमेरिका में ही प्रारम्भ कर देंगे। इस कार्य को यदि धीमे धीमे एवं संरचित रूप से किया जाता तो सम्भव है कि पूरे विश्व में अफरा तफरी जैसा माहौल नहीं बनता। परंतु, ट्रम्प ने कुछ देशों (चीन, आदि) से विभिन्न वस्तुओं के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी एवं अन्य देशों को भी लगातार इस प्रकार की धमकी देना प्रारम्भ कर दिया।

ट्रम्प ने भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न वस्तुओं के निर्यात पर भी 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया एवं 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ यह कहते हुए लगाया कि भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात करता है एवं इसे प्रसंस्कृत करने के उपरांत यूरोपीय देशों को पेट्रोल एवं डीजल के रूप में निर्यात करता है। इस प्रक्रिया में ट्रम्प ने यह निष्कर्ष निकाला भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल को खरीदने से रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले को बल मिलता है और भारत इस युद्ध को अप्रत्यक्ष रूप से फंडिंग कर रहा है। इस प्रकार, भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर दिनांक 27 अगस्त 2025 से 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया है। इससे भारत के पूंजी (शेयर) बाजार में हाहाकर मच गया एवं विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार भारत से अपने निवेश को निकाल रहे हैं।

ट्रम्प अमेरिका में होने वाले विभिन्न वस्तुओं के आयात पर लगाए गए टैरिफ पर ही नहीं रुके बल्कि अपनी साम्राज्यवादी सोच को पुनः लागू करने के उद्देश्य को भी स्पष्ट रूप से झलका दिया। प्रभुतासम्पन्न देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में लाया गया एवं उन पर अमेरिका में मुकदमा चलाया गया।

रंगों के पार जो बचता है वही सच है

(सुंदरचंद ठाकुर)

होली को हम रंगों, हंसी और उत्सव का पर्व मानते हैं। गलियों में उड़ता गुलाल, चेहरों पर लगी पहचान मिटाती रंगों की परतें और कुछ देर के लिए जीवन का हल्का हो जाना। लेकिन अगर थोड़ी देर ठहर कर देखा जाए तो होली केवल बाहरी उत्सव नहीं है। यह मनुष्य के भीतर छिपे एक गहरे सत्य की याद दिलाने आती है। वह सत्य जिसे वेदांत सदियों से कहता आया है कि हम वह नहीं हैं जो दुनिया हमें समझती है, हम उससे कहीं अधिक हैं।

साल भर हम अपनी पहचान लेकर चलते हैं। कोई अपने पद से पहचाना जाता है, कोई धन से, कोई सफलता से और कोई अपने संघर्षों से। हम खुद भी धीरे धीरे इन पहचानों को ही अपना वास्तविक स्वरूप मान बैठते हैं। लेकिन होली का दिन आता है और एक मुट्ठी रंग सब कुछ बदल देता है। चेहरे पर रंग लगते ही न पद दिखाई देता है, न प्रतिष्ठा, न ऊंच नीच का अंतर। कुछ क्षणों के लिए सब बराबर हो जाते हैं। शायद यही संकेत है कि हमारी असली पहचान इन बाहरी परतों से परे है।

वेदांत कहता है कि जीवन में जो कुछ बदलता है वह हम नहीं हो सकते। भावनाएं बदलती हैं, परिस्थितियां बदलती हैं, शरीर बदलता है, विचार बदलते रहते हैं। कभी हम खुश होते हैं, कभी दुखी, कभी उत्साहित और कभी निराश। ये सब रंगों की तरह हैं जो आते हैं और चले जाते हैं। लेकिन एक चीज हमेशा स्थिर रहती है वह है देखने वाली चेतना। वही भीतर का साक्षी जो हर अनुभव को देखता है।

होली से एक दिन पहले होलिका दहन होता है। परंपरा कहती है कि यह बुराई के जलने का प्रतीक है, लेकिन भीतर से देखें तो यह हमारे अहंकार के जलने का अवसर भी है। वह अहंकार जो कहता है कि मैं ही सब कुछ हूं, मेरी सफलता ही मेरी पहचान है, मेरी असफलता ही मेरा दुख है। जब यह झूठा केंद्र जलता है तब जीवन हल्का होने लगता है। तभी अगले दिन रंग उत्सव बनते हैं, वरना वही रंग प्रतिस्पर्धा और तुलना में बदल जाते हैं।

जरा आकाश को देखिए। उसमें बादल आते हैं, रंग बदलते हैं, कभी धूप होती है, कभी अंधेरा। लेकिन आकाश स्वयं कभी प्रभावित नहीं होता। हमारी चेतना भी वैसी ही है। जीवन के रंग उस पर पड़ते जरूर हैं, पर उसे बदल नहीं सकते।

दुख और सुख मन के अनुभव हैं, चेतना के नहीं। जब मनुष्य यह समझने लगता है तो जीवन का भार कम होने लगता है।

कोई अपने पद से पहचाना जाता है, कोई धन से, कोई सफलता से और कोई अपने संघर्षों से। हम खुद भी धीरे धीरे इन पहचानों को ही अपना वास्तविक स्वरूप मान बैठते हैं।

तेल-गैस संकट से उबारेगा?

'ऐश्वर्या' पर भरोसा, रेत से लेकर समुद्र में दबा पड़ा है भारत का ये 'खजाना'

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच खाड़ी देशों से तेल और गैस की आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ा है। भारत अपने कुल तेल का करीब 90 फीसदी आयात पर निर्भर है। वहीं, गैस भी पर्याप्त रूप से खाड़ी देशों से आयात की जाती है। मगर, ऐसा नहीं है कि भारत के पास अपने तेल और गैस के भंडार नहीं हैं। भारत के पास तेल और गैस के बड़े भंडार हैं, जो बंगाल की खाड़ी में कृष्णा-गोदावरी बेसिन तो अरब सागर में मुंबई हाई हैं। इसके अलावा, राजस्थान, असम, झारखंड और पश्चिम बंगाल भी इन नेचुरल रिसोर्स के बड़े भंडार हैं। ऐसे में इन घरेलू खजाने के दम पर भारत को तेल-गैस की मुश्किलों से निपटने में कुछ तो राहत जरूर मिलेगी।

(दिनेश मिश्र)

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच भारत समेत पूरी दुनिया की तेल और गैस की सप्लाई बाधित हो गई है। मगर, इन मुश्किलों के बीच एक नजर डालते हैं भारत के तेल और गैस के भंडारों पर, जो तेल और गैस के संकट को कुछ हद तक संभाल सकते हैं। घरेलू एनर्जी के ये सोर्स मुंबई हाई से लेकर कृष्णा गोदावरी बेसिन और असम-झारखंड तक फैले हुए हैं।

भारत के तेल और गैस के भंडार- अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच खाड़ी देशों से तेल और गैस की आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ा है। भारत अपने कुल तेल का करीब 90 फीसदी आयात पर निर्भर है। वहीं, गैस भी पर्याप्त रूप से खाड़ी देशों से आयात की जाती है। मगर, ऐसा नहीं है कि भारत के पास अपने तेल और गैस के भंडार नहीं हैं। भारत के पास तेल और गैस के बड़े भंडार हैं, जो बंगाल की खाड़ी में कृष्णा-गोदावरी बेसिन तो अरब सागर में मुंबई हाई हैं। इसके अलावा, राजस्थान, असम, झारखंड और पश्चिम बंगाल भी इन नेचुरल रिसोर्स के बड़े भंडार हैं। ऐसे में इन घरेलू खजाने के दम पर भारत को तेल-गैस की मुश्किलों से निपटने में कुछ तो राहत जरूर मिलेगी।

देश में तेल-गैस का उत्पादन कहां होता है- भारत भले ही बड़े पैमाने पर गैस की जरूरतें पूरी करने के लिए आयात पर निर्भर है, मगर घरेलू स्तर पर वह अपनी जरूरत का करीब 50 फीसदी पूरा कर लेता है। वहीं, घरेलू स्तर पर कच्चा तेल करीब 12-15 फीसदी पूरा कर पाता है। भारत की घरेलू एनर्जी की रीढ़ है-अरब सागर में स्थित मुंबई हाई फील्ड। इसे सरकारी ओएनजीसी संचालित करती है। यहां देश का तेल और गैस का उत्पादन होता है। वहीं, देश की पूर्वी तट पर बंगाल की खाड़ी में कृष्णा-गोदावरी बेसिन क्षेत्र नेचुरल गैस का न्यू फ्रंटियर बना हुआ है। कृष्णा गोदावरी बेसिन तेल-गैस का बना न्यू फ्रंटियर

महत्वपूर्ण रूप से घरेलू स्तर पर तेल और गैस का उत्पादन इस क्षेत्र में रिलायंस-बीपी एमजे और ऋ क्लस्टर फील्ड्स और ओएनजीसी के केजी-डीडब्ल्यूएन-98/2 ब्लाक से होता है। 2024 के आखिर में और 2025 में पूरे साल तेल उत्पादन इसी क्षेत्र से किया गया। ये इलाके वैश्विक कीमतें बढ़ने का खतरा कम करते हैं।

बाड़ेमर में मंगला-भाग्यम और ऐश्वर्या फील्ड- जमीन पर राजस्थान में बाड़मेर क्षेत्र से गैस निकाली जाती है। खासतौर पर मंगला, भाग्यम और ऐश्वर्या (एमबीए) सबसे प्रमुख उत्पादक हैं, जिसका संचालन केयर्न ऑयल एंड गैस कंपनी करती है। मंगला, भाग्यम और ऐश्वर्या ये सभी फील्ड्स भारत के कुल घरेलू तेल उत्पादन का करीब 25 फीसदी का उत्पादन करते हैं, जो एक बड़ा नेचुरल रिसोर्स है। पूर्वोत्तर में असम के डिगबोई में दुनिया की सबसे पुरानी ऑयल रिफाइनरी है। ऊपरी अस में नहरकटिया और मोरान ऑयल और गैस का उत्पादन करते हैं। इसके अलावा, सरकार ने मिशन अन्वेषण के तहत महानदी बेसिन में भी गैस-तेल की खोज की है।

एलएनजी और एलपीजी में क्या फर्क है- एलएलजी और एलपीजी दोनों ही नेचुरल गैस हैं, जिनका इस्तेमाल ईंधन के रूप में होता है। दोनों के केमिकल कंपोजीशन, ट्रांसपोर्टेशन के तरीके और इस्तेमाल में अंतर है। एलएनजी मीथेन से बनी होती है। वहीं, एलपीजी प्रोपेन और ब्यूटेन का मिक्सचर होती है।

एलएनजी को माइनस 162 डिग्री सेल्सियस पर ठंडा करके लिक्विड में बदला जाता है। फिर इसे खासतौर पर बने क्रायोजेनिक टैंकर्स में ले जाया जाता है। जब यह एलएनजी टर्मिनल पर पहुंचती है तो इसे फिर से गैस में बदल दिया जाता है और इसे पाइपलाइन के जरिये वितरण किया जाता है।

एलएनजी का कहां होता है इस्तेमाल- एलएनजी का इस्तेमाल फर्टिलाइजर संयंत्रों, बिजली पैदा करने में और शहरी गैस नेटवर्क यानी घरों को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की सप्लाई करने में होता है। साथ ही इसका इस्तेमाल वाहनों में प्रयोग किए जाने वाली कॉम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) में भी होता है।

एलपीजी- सिलेंडर में कैसे भरी जाती है- एलपीजी को काफी ज्यादा दबाव पर तरल करके रखा जाता है। इसे एलपीजी सिलेंडरों में भरा जाता है, ताकि आसानी से घरों तक सप्लाई हो सके। यह उन इलाकों में भी कारगर है, जहां पाइपलाइन नेटवर्क नहीं है। इसे खाना बनाने के काम में लाया जाता है।

दंतेवाड़ा के भांसी में श्री श्री हरिचंद ठाकुर जी का 214वां जन्म उत्सव, बंग समाज और आदिवासी समाज की अद्भुत एकता की मिसाल

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले के ग्राम पंचायत भांसी में बंगाली समाज द्वारा पूर्ण ब्रह्मा श्री श्री हरिचंद ठाकुर जी का 214वां जन्म उत्सव बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। यह दो दिवसीय उत्सव 16 मार्च 2026 से 17 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया है, जिसमें दूर-दूर से आए मतुआ समाज और ग्रामीणों की भारी भागीदारी देखने को मिल रही है। उत्सव की शुरुआत प्रातःकाल घाट स्नान से होती है। इस दौरान गंगा माता की पूजा-अर्चना तेल और फूल से की जाती है और ठाकुर जी के स्नान के लिए पवित्र जल भरने की अनुमति मांगी जाती है। पूजा के बाद नदी से जल लाकर श्री हरिचंद ठाकुर जी का स्नान कराया जाता है। इसके पश्चात विधि-विधान से कलश स्थापना की जाती है। पहले दिन दूर-दराज से आए मतुआ समाज के श्रद्धालु अपने-अपने क्षेत्रों से उत्सव स्थल पर पहुंचते हैं। बंग समाज के पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार लोग अपनी सांस्कृतिक वेशभूषा में ढोल, डंका और कसा की धुन पर नाचते-गाते हुए ÷हरि नाम÷ का जयघोष करते हुए ठाकुर जी के दरबार में पहुंचते हैं। इसके बाद पूरी रात भजन-कीर्तन का भव्य आयोजन किया जाता है। इस उत्सव की विशेषता यह है कि इसमें केवल बंगाली समाज ही नहीं बल्कि अन्य सभी समाजों के ग्रामीण भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। विशेष रूप से कटेकल्याण क्षेत्र के आदिवासी समुदाय के ग्रामीण बंग समाज की वेशभूषा धारण कर ढोल, डंका और कसा की धुन पर शानदार प्रस्तुति देते हैं। उनकी इस अनोखी प्रस्तुति की बंग समाज सहित अन्य समाज के लोगों ने जमकर सराहना की। दूसरे दिन सुबह पूरे ग्राम पंचायत में ढोल-डंका और कसा की धुन के साथ सभी दलों द्वारा शोभायात्रा निकाली जाती है। इस दौरान ठाकुर जी की प्रतिमा को लेकर हर घर में जाकर नृत्य किया जाता है और आशीर्वाद दिया जाता है। उत्सव के अवसर पर दंतेवाड़ा जिले सहित अन्य जिलों और राज्यों से व्यापारी भी अपने-अपने स्टॉल लगाते हैं, जिससे मेले जैसा वातावरण बन जाता है। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ती है। दोपहर के समय आदिवासी समुदाय के ग्रामीण अपनी पारंपरिक वेशभूषा और ढोल-नृत्य के साथ उत्सव को और भी भव्य बनाते हैं। यह दृश्य बंग समाज और आदिवासी समाज के बीच आपसी भाईचारे, सांस्कृतिक एकता और सामाजिक सद्भाव का सुंदर संदेश देता है। यह उत्सव न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि विभिन्न समाजों के बीच एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक समन्वय का भी प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

कोंडागांव। कोंडागांव पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी को चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता ने थाना कोंडागांव पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वर्ष 2013 से उसका परिचय आरोपी कुशल नेताम से था। परिचय के बाद आरोपी ने उससे प्यार करने और शादी करने का झांसा देकर लगातार उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी रुपेश कुमार के नेतृत्व में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए थाना कोण्डागांव की संयुक्त टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान आरोपी कुशल नेताम (28 वर्ष) पिता बुधराम नेताम, निवासी भगदेवा थाना कोण्डागांव का पता तलाश किया गया। आरोपी अपने घर पर मिला, जहां पूछताछ के दौरान उसने अपराध स्वीकार किया। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने 16 मार्च को उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सौरभ उपाध्याय, उपनिरीक्षक अखिलेश धीवर, सहायक उपनिरीक्षक शांति यादव सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

पत्रकार रौनक शिवहरे की गिरफ्तारी से भड़के पत्रकार, दंतेवाड़ा में मौन धरना देकर न्यायिक जांच की मांग

दंतेवाड़ा। पत्रकार रौनक शिवहरे और उनके परिवार के खिलाफदंतेवाड़ा जिले के गीदम थाने में गलत धाराओं के साथ-साथ एसटीङ्कएससी एक्ट के तहत दर्ज आपराधिक मामला और गिरफ्तारी के बाद पत्रकारों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। रविवार को इस मामले को लेकर दक्षिण बस्तर पत्रकार संघ के बैनर तले पत्रकारों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सोमवार को बस्तर संभाग के सभी जिला मुख्यालयों में मौन धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। इसी क्रम में सोमवार को दंतेवाड़ा के दुर्गा मंडप में पत्रकारों ने मौन धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद कलेक्टर की अनुपस्थिति में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में पूरे घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए मामले की न्यायिक जांच कराने की मांग की गई है। प्रेषित ज्ञापन में बताया गया कि 6 मार्च 2026 को दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के गीदम में निवासरत पत्रकार रौनक शिवहरे के घर के सामने एक ट्रैक्टर चालक, जो कथित रूप से नशे में धुत था, ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। आरोप है कि चालक ने ट्रैक्टर से उनके पिता और उनकी दो साल की बच्ची को दबाने की कोशिश भी की, दोनों बाल-बाल बच गए।घटना की जानकारी मिलने के बाद पत्रकार रौनक शिवहरे मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर चालक से विवाद के बाद उन्होंने गीदम थाने में इसकी लिखित शिकायत दी। लेकिन पत्रकारों का आरोप है कि थाना प्रभारी ने उनकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की। उल्टा ट्रैक्टर चालक और उसके सहयोगियों के दबाव में आकर रौनक शिवहरे तथा उनके माता-पिता के खिलाफ एसटीङ्कएससी एक्ट सहित अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया और बिना उचित जांच के उन्हें जेल भेज दिया गया। पत्रकारों का कहना है कि उपलब्ध तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर रौनक शिवहरे और उनके माता-पिता पर इन धाराओं के तहत मामला बनता ही नहीं है। एक समूह के दबाव में की गई इस कार्रवाई से पूरे पत्रकार समुदाय में आक्रोश का माहौल है।पत्रकारों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष न्यायिक जांच कर उचित विवेचना कराई जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके। कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपने के बाद पत्रकारों ने दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय से भी मुलाकात की और पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए अपनी चिंताओं से अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय ने पत्रकारों को आश्वस्त किया कि दंतेवाड़ा जिले में बीते घटनाक्रम को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच कराई जा रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी पक्ष के दबाव में आकर किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाएगी।

आदि परब 2026 में गोल्डन बुक आफवर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया बीजापुर जिले के भानुप्रताप और साधना चिड़ियम ने परधान जनजाति का नाम का किया रोशन

बीजापुर। आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान मंत्रालय नवा रायपुर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 13 और 14 मार्च को समृद्ध जनजातियों के भव्य कला संस्कृति वेशभूषा को एक मंच पर प्रस्तुत करने विश्व प्रसिद्ध एक अनुठा आयोजन,,आदि परब,, कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों में निवासरत 43 जनजातीयों ने एवं सीमावर्ती राज्यों के आदिवासियों ने अपने अपने आदि चित्रकला ,,आदि परिधान/ अटायर शो,, की प्रस्तुति दी । अटायर शो के दौरान बीजापुर जिले के एक बहुत ही सुन्दर मनमोहक जोड़ा क्र2द्गह्न ष्टश्चद्बद्यद्ग भानुप्रताप चिड़ियम और उनकी अर्धांगिनी साधना चिड़ियम जो परधान जनजाति से आते हैं । अपने वेशभूषा और संस्कृति का गर्व से अपने जनजाति का परिचय दिया इस दौरान मंच पर अपने प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया आकर्षण का केन्द्र रहे जिससे सुन्दर जोड़ी सुपर , पावर कपल कहकर सराहाया गया। आदि परब कार्यक्रम में परधान जनजाति की अपनी एक एतिहासिक पहचान इस जोड़े ने अपने परधान जनजाति की पारम्परिक संस्कृति , वाद्ययंत्रों, वेश-भूषा/ परिधान , आभूषणों ,गीत संगीत, नाच गाना , अपने झलकियों से दर्शकों के मनमोहकता , आकर्षण का केन्द्र रहे पति-पत्नी ने आदि परब में प्रतिभागी बनकर आकर्षक और भव्य प्रस्तुति देकर अपना नाम गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया जिसके लिए पति ,पत्नी दोनों को आदि परब मोमेंटो और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया । इस आदि परब के माध्यम से इस जोड़े ने यह संदेश दिया कि लोग कितने ही आधुनिक क्यों न हों जायें पर अपनी मूल संस्कृति वेशभूषा एतिहास को जीवंत रखना भी भावी पीढ़ी की जिम्मेदारी है जिससे उनकी पहचान है। आदि परब कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव सायं छत्तीसगढ़ शासन सहित मंत्री रामविचार नेताम कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, मंत्री केदार कश्यप वन मंत्री , जनजाति आयोग अध्यक्ष रुपसिंह मण्डावी,संचालक हिना अनिमेष द्व- आदिम जाति अनुसंधान संस्थान और प्रशिक्षण संस्थान नवा रायपुर, प्रमुख सचिव छत्तीसगढ़ शासन आदिम जाति विकास विभाग सहित मंत्रालय के अधिकारी कर्मचारियों, जनप्रतिनिधि तथा छत्तीसगढ़ भर से आए हुए अतिथि शामिल हुए।

दंतेवाड़ा में गैस सिलेंडर की किल्लत, किरंदुल की इंडियन गैस एजेंसी पर सवाल — क्या विभाग कार्रवाई से बच रहा है?

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले में इन दिनों रसोई गैस सिलेंडर को लेकर भारी किल्लत देखी जा रही है। ग्रामीणों को गैस सिलेंडर पाने के लिए कई-कई बार गैस एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। इस समस्या से आम जनता बेहद परेशान है। इधर किरंदुल स्थित इंडियन गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार शादी-समारोह के लिए एक बार में लगभग 15 गैस सिलेंडर दिए जा रहे हैं, जबकि आम उपभोक्ताओं को एक सिलेंडर के लिए भी लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस मामले में अब तक संबंधित विभाग द्वारा न तो कोई जांच की गई है और न ही किसी प्रकार की कार्रवाई की गई है।इस स्थिति ने विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि जिले के किसी छोटे व्यापारी द्वारा इस तरह सिलेंडर का उपयोग किया जाता, तो अब तक विभाग नियम-कानून का हवाला देकर कड़ी कार्रवाई कर चुका होता। लेकिन एजेंसी के मामले में विभाग की चुप्पी लोगों के बीच कई तरह की चर्चाओं को जन्म दे रही है।गैस सिलेंडर की कमी का असर अब स्थानीय व्यवसायों पर भी पड़ने लगा है। जानकारी मिल रही है कि बचेली और किरंदुल के कुछ कॉफी हाउस और छोटे होटल गैस की कमी के कारण बंद होने की कगार पर हैं। इससे न केवल व्यापारियों को नुकसान हो रहा है बल्कि स्थानीय लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। आम जनता ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि गैस वितरण व्यवस्था की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि

फ्लोरोसिस प्रभावित ग्राम घोड़ागांव में स्क्रीनिंग व हेल्थ कैंप का आयोजन

कोंडागांव। राष्ट्रीय फ्लोरोसिस रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के फ्लोरोसिस प्रभावित ग्राम घोड़ागांव में एक दिवसीय हेल्थ चेकअप एवं फ्लोरोसिस स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. चतुर्वेदी के निर्देशन तथा जिला नोडल अधिकारी (राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम) डॉ. आर. सोनल ध्रुव एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. भावना महलवार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।शिविर में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा मितानिन कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान जिला सलाहकार जोनाथन विनय द्वारा स्कूली बच्चों को फ्लोरोसिस से संबंधित जानकारी एवं बचाव के उपाय बताए गए। इस अवसर पर चिरायु दल द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें फ्लोरोसिस प्रभावित बच्चों की स्क्रीनिंग के साथ अन्य बीमारियों से ग्रसित बच्चों को आवश्यक दवाइयों एवं नॉन-फ्लोराइड टूथपेस्ट का वितरण किया गया। मितानिन कार्यकर्ताओं द्वारा जमीनी स्तर पर प्रभावित व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें उपचार हेतु अस्पताल लाने के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान आयुष्मान आरोग्य मंदिर के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। साथ ही शिक्षकों को बच्चों के लिए पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के अंतर्गत पीएचइ विभाग द्वारा प्रभावित जल स्रोतों के नमूने भी एकत्रित किए गए, ताकि समस्या के समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाए जा सकें। यह शिविर ग्रामीणों में फ्लोरोसिस के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा समय पर जांच एवं उपचार सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

पोटाकेबिन आश्रमों में बदहाल हालात: आदिवासी बच्चों को न भोजन ठीक, न कपड़े — जिम्मेदार कौन

आदिवासी बच्चों के हक पर डाका! बीजापुर के पोटाकेबिन आश्रमों में न फिल्टर पानी, न मीनू के अनुसार भोजन — सीट बढ़ाकर पैसों का खेल

बीजापुर। बीजापुर जिले के चारों विकासखंडों में आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत संचालित पोटाकेबिन बालक/ बालिका आश्रमों की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार कई पोटाकेबिन आश्रमों (ऋक्क)में बच्चों को न तो फिल्टर किया हुआ पेयजल मिल रहा है और न ही मेंनू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

शासन द्वारा तय भोजन मेनू चार्ट का पालन नहीं किया जाता। बच्चों को नियमित रूप से सब्जी तक नहीं मिलती, जबकि कागजों में पूरा मेंनू दर्शाया जाता है। इसके अलावा यूनिफॉर्म, कपड़े, पीटी शू (जूते), मोजे, चप्पल और सर्दियों के लिए स्वेटर जैसी आवश्यक सामग्रियों का वितरण भी अधूरा बताया जा रहा है।

सीट कम, बिल पूरा – भ्रष्टाचार के आरोप

सूत्रों के अनुसार कई आश्रमों में बच्चों की वास्तविक संख्या कम है, लेकिन कागजों में पूरी सीट भरकर बजट निकाला जा रहा है। जहां 100 सीटर पोटाकेबिन है वहां लगभग 50 बच्चे ही रह रहे हैं, जबकि 150 सीटर पोटाकेबिन में भी करीब 100 बच्चे ही सालभर उपस्थित रहते हैं। आरोप है कि दर्ज संख्या बढ़ाकर अधिकारियों और अधीक्षकों की मिलीभगत से पैसों का बंदरबांट किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि आदिवासी बच्चे पोटाकेबिन आश्रम में कुछ अधिकारी अधीक्षकों के मामलों को दबाने और उच्च अधिकारियों तक 'मैनेज' करने का काम करते हैं।

नक्सल क्षेत्र का उठाया जा रहा फायदा?

ग्रामीणों का आरोप है कि बीजापुर नक्सल प्रभावित जिला होने के कारण निगरानी कम रहती है, जिसका फायदा कुछ अधिकारी उठा रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी का कहना साफ साफ कहा कि जितने भी (ऋक्क) के पोटाकेबिन है सभी अधीक्षकों को अपना वित्त राशि स्नक्रू पोर्टल से इस्तेमाल कर सकते है जिला शिक्षा अधिकारी का कहना ये भी है कि अधीक्षक जरूरत अनुसान बच्चों को पानी फिल्टर कपड़े चादर कंबल बकेट या बैठने के सुविधा भोजन वा नाश्ता अन्य जरूरत बच्चों का पूरा कर सकते है जिला शिक्षा अधिकारी के बयान के अनुसार साफ समझ आ रहा है कि बीजापुर जिले के जितने भी (ऋक्क) में आते है सभी पोटाकेबिनो में जरूरत अनुसान (स्नक्रू) पेमेंट निकल कर सभी सामग्री खरीद सकते है

अधीक्षकों का कहना है

जिले के (ऋक्क) पोटाकेबिनो के अधीक्षकों से इस मामले में बात करने पर अधीक्षक का साफ कहना है कि इस बात पोटाकेबिन में कुछ नहीं आया है अधीक्षक वा अधिकारी के दोनों के बयान से साफसमझ आ रहा है बच्चों के लिए आने वाले हर सुविधा को अधीक्षक बच्चों को पूर्ति नहीं कर पा रहें है अब लग रहा बीजापुर में एक बार पीर से अधीक्षकों का सर्जरी करना बेहद जरूरी हो गया देखना होगा कि खबर के बाद विभागीय अधिकारी वा जिले के जिम्मेदार क्या कारवाही करते है

शिक्षा मंत्री भ्रष्टाचार पर सरकार सख्त

प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने हाल ही में अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को वितरित की जाने वाली सामग्रियों की गुणवत्ता सर्वोच्च होनी चाहिए और घटिया सामग्री देने वाले आपूर्तिकर्ताओं को ब्लैकलिस्ट किया जाए। मंत्री ने छात्रावासों, कन्या छात्रावासों और पोटा केबिनों में सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का भी निर्देश दिया है। छिंदगढ़ विकासखंड के पोटाकेबिन पोटा केबिन में भोजन में जहरीला पदार्थ मिलने की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं शासन की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाती हैं और जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए

संक्षिप्त समाचार

जनगणना कार्य के लिए नियुक्त फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण 23 मार्च से

बिलासपुर। भारत की जनगणना 2027 एवं राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर अद्यतन कार्य के लिए जिले के विभिन्न ग्रामीण व नगरीय चार्जो हेतु फील्ड ट्रेनर्स की नियुक्ति की गई है। दो बैच में नियुक्त किये गये इन ट्रेनर्स का प्रशिक्षण जिला पंचायत सभागार में 23 मार्च से 29 मार्च 2026 तक सवेरे 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक चलेगा। प्रथम बैच में ग्रामीण एवं नगरीय फिल्ड के 45 ट्रेनर्स को 23 मार्च से 25 मार्च तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिनमें कोटा, रतनपुर, बेलगहना, तखतपुर, सकरी, बिलासपुर, बेलतरा, मस्तुरी, सीपत, पचपेड़ी, बिल्हा, बोदरी तहसील एवं नप कोटा, रतनपुर, तखतपुर, मल्हार, बिल्हा एवं बोदरी के ट्रेनर्स शामिल होंगे। इसी प्रकार द्वितीय बैच में नगर पालिक निगम बिलासपुर अंतर्गत कुल 26 फील्ड ट्रेनर्स को 27 मार्च से 29 मार्च 2026 तक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सहकारी समिति की मतदाता सूची पर दावा आपत्ति 23 तक

बिलासपुर। शिक्षक गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित मंगला के मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। सूची के संबंध में दावा आपत्ति 23 मार्च 2024 तक सोसाइटी कार्यालय में या कार्यालय उप पंजीयक बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्वेता दुबे के समक्ष सप्रमाण लिखित में प्रस्तुत कर सकते है। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निराकरण सोसाइटी कार्यालय में 24 मार्च को सवेरे 11 बजे किया जाएगा। सूची का अवलोकन सोसाइटी कार्यालय के नोटिस बोर्ड, उप पंजीयक सहकारी संस्थायें बिलासपुर, विकासखण्ड बिल्हा के कार्यालय, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित शाखा बिल्हा के सूचना पटल पर चस्पा कर दिया गया है।

निगम के वार्ड 29 में पार्षद उप चुनाव की तैयारी, मतदाता सूची तैयार करने रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय बिलासपुर के वार्ड क्र. 29 संजय गांधी नगर में रिक्त पार्षद पद के चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूची तैयार करने के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिलासपुर को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है। तहसीलदार बिलासपुर सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी होंगे। अपर कलेक्टर बिलासपुर को पदाभिहित अपीलीय अधिकारी बनाया गया है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 13 अप्रैल को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा। इस दिन से ही सूची पर दावे एवं आपत्तियां भेजने का काम होगा। मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को निर्वाचक नामावली उपलब्ध कराया जाएगा। 20 अप्रैल को दोपहर 3 बजे तक दावा-आपत्तियां प्राप्त की जाएगी। दावा-आपत्तियों के निपटारे की अंतिम तिथि 23 अप्रैल होगी। 24 अप्रैल तक प्रारूप 1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीरकण अधिकारी को दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि होगी। प्रारूप 1 में दावा का निराकरण करने की अंतिम तारीख 27 अप्रैल होगी। निराकरण आदेश पारित होने के पांच दिवस के भीतर दावा आपत्तियों के निराकरण आदेश के विरूद्ध अपील करना होगा। 29 अप्रैल तक परिवर्धन, संशोधन, विलोपन के प्रकरणों की सॉफ्टवेयर में प्रविष्टि करनी होगी। 2 मई तक चेक लिस्ट का निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जांच करवाना एवं पीडीएफमुद्रण हेतु जिला कार्यालय को सौंपना होगा। 4 मई तक अनुपूरक सूची का मुद्रण कराना और अनुपूरक सूची को मूल सूची के साथ संलग्न करना होगा। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 5 मई 2026 को होगा।

थार वाहन खरीदने के लिए रिटायर्ड जवान के घर बेटे से कराई चोरी

बिलासपुर। बिलासपुर के सरकंडा क्षेत्र में सेना के रिटायर्ड जवान के घर से सोने के जेवर चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक महिला खरदीदार एवं दो नाबालिग समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने महंगी थार गाड़ी खरीदने की योजना के तहत जवान के बेटे को अपने ही घर में चोरी करने को कहा और 5 तोला सोना चोरी करवा लिया। बता दें कि भारतीय सेना से सेवानिवृत्त बहतराई निवासी सुशील कुमार शर्मा ने 14 मार्च को सरकंडा थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जांच शुरू की और नाबालिग आरोपियों के साथ चोरी का सोना खरीदने वाले लोगों को भी पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी हुए सोने के शत-प्रतिशत जेवर बरामद कर लिए हैं। पुलिस पूछताछ में एक नाबालिग ने बताया कि सभी दोस्तों ने मिलकर थार गाड़ी खरीदने के लिए अपने-अपने घरों से सोना चोरी करने की योजना बनाई थी। इसी के तहत उन्होंने नकली सोना दिखाकर सुशील शर्मा के बेटे को असली सोना लाने के लिए उकसाया। हालांकि, चोरी किए गए सोने को बेचने के बाद भी रकम गाड़ी खरीदने के लिए पर्याप्त नहीं हुई।

जल उत्सव पखवाड़ा-खपरी गांव में जल संरक्षण स्वच्छता और गुणवत्ता पर जागरूकता का संदेश

बिलासपुर। जिले के बिल्हा विकासखंड अंतर्गत ग्राम खपरी में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के तहत ''जल उत्सव पखवाड़ा'' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माननीय कलेक्टर महोदय के मार्गदर्शन एवं सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को जल संरक्षण की महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। गांव में जनसभा का आयोजन कर जल की महत्ता एवं उसके संरक्षण और संधारण पर चर्चा की गई। इस अवसर पर एफटी.के. किट के माध्यम से जल गुणवत्ता की जांच करने की विधि का प्रदर्शन भी किया गया, जिससे ग्रामीणों को स्वयं पानी की शुद्धता परखने की जानकारी मिल सके। कार्यक्रम में गांव की

जल वाहिनी रंगमति, सुलोचना बाई, देवकी दीदी एवं वी.डब्ल्यू.एस.सी. की महिला सदस्यों को हर घर जल प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा उन्हें जल संरक्षण एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल, जल संरक्षण, योजना के संचालन एवं संधारण, सोखता गड्ढा निर्माण, हैंडपंप एवं रनिंग वाटर सप्लाई के रख-रखाव के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देते हुए जल जीवन मिशन के प्रति स्वामित्व की भावना विकसित करने पर जोर दिया गया।जल जीवन मिशन न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण का भी प्रभावी माध्यम बन रहा है। पहले जहां महिलाओं को दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाने के लिए कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था, वहीं अब अधिकांश घरों तक नल कनेक्शन पहुंचने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से जल प्रबंधन अधिक प्रभावी और टिकाऊ बन रहा है। इससे न केवल जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है, बल्कि महिलाओं को नेतृत्व एवं निर्णय लेने के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं।

सफलता की कहानी परंपरागत खेती छोड़ आधुनिक खेती से बदली तकदीर

बिलासपुर। तखतपुर विकासखण्ड के ग्राम निरतू के प्रगतिशील किसान श्री भुखन लाल और श्री रामाधार साहू की मेहनत और नई तकनीकों को अपनाने की सोच आज अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन गई है। पहले वे पारंपरिक खेती करते थे, जिससे आय सीमित थी। लेकिन समेकित उद्यानिकी विकास योजना के तहत उद्यानिकी विभाग से मिले मार्गदर्शन ने उनकी खेती की दिशा ही बदल दी। श्री भुखन लाल ने अपने 2 हेक्टेयर खेत में कटहल एवं नींबू के पौधे लगाए और साथ ही अंतरवर्ती फसल के रूप में बैंगन की खेती शुरू की। उन्होंने वर्मी कम्पोस्ट खाद, ड्रिप सिंचाई और प्लास्टिक मल्चिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया। इन तकनीकों से जहां फसल की लागत कम हुई, वहीं उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

उनकी मेहनत का परिणाम यह रहा कि बैंगन का लगभग 425 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ। जहां लागत 2.5 से 3 लाख रुपये आई, वहीं उन्हें 5 से 6 लाख रुपये तक की आय हुई। इस सफलता से उनकी आर्थिक स्थिति में स्पष्ट सुधार आया और वे अब आत्मनिर्भर बन रहे हैं। इसी प्रकार ग्राम अमोलीकापा के किसान श्री रामाधार साहू ने भी उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत ग्राफ्टेड बैंगन की खेती शुरू की है। पहले वे परंपरागत खेती करते थे, लेकिन अब आधुनिक तकनीकों की मदद से बेहतर उत्पादन की ओर अग्रसर हैं। उन्हें 200 से 220 क्विंटल उत्पादन और 2 से 3 लाख रुपये आय की उम्मीद है। यह कहानी दर्शाती है कि यदि किसान नई तकनीकों को अपनाएं और योजनाओं का लाभ लें, तो कम लागत में अधिक उत्पादन और बेहतर आय प्राप्त कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकते हैं।

जिला जल परीक्षण प्रयोगशाला में एनएबीएल का ऑनसाइट सर्विलांस सफलतापूर्वक संपन्न

बिलासपुर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत जिला जल परीक्षण प्रयोगशाला बिलासपुर में एनएबीएल (राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड) के तहत ऑनसाइट सर्विलांस सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह सर्विलांस सीएसआईआर-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली की असेसर टीम द्वारा 14 एवं 15 मार्च 2026 को किया गया। इस दौरान प्रयोगशाला में किए जा रहे पेयजल नमूनों के परीक्षण की गुणवत्ता, सटीकता तथा ब्रुस्ह/ब्रुश्ष्ट 17025:2017 मानकों के अनुरूपता का गहन मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने प्रयोगशाला की कार्यप्रणाली, उपकरणों के कैलिब्रेशन, गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली, रिकॉर्ड संधारण एवं परीक्षण प्रक्रियाओं की विस्तार

से समीक्षा की। साथ ही तकनीकी सुधार हेतु आवश्यक सुझाव भी दिए गए, जिससे भविष्य में परीक्षण कार्य और अधिक प्रभावी एवं विश्वसनीय हो सके। दो दिवसीय सर्विलांस के दौरान गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली को और सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया गया। यह प्रक्रिया प्रयोगशाला की विश्वसनीयता बढ़ाने तथा परीक्षण परिणामों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण साबित होगी।कलेक्टर एवं अध्यक्ष, जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के मार्गदर्शन में संपूर्ण प्रक्रिया का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करता स्टार्टअप जागरूकता कार्यक्रम,247 प्रतिभागियों ने लिया लाभ

बिलासपुर। युवाओं को आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में अग्रसर करने के उद्देश्य से शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, कोनी में एक दिवसीय स्टार्टअप एवं उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, बिलासपुर द्वारा उद्योग संचालनालय के अपर संचालक श्री संजय गजघाटे की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती सीमा चौहान ने अतिथियों का परिचय कराते हुए किया। उन्होंने विद्यार्थियों को स्टार्टअप के महत्व और वर्तमान समय में उद्यमिता के बढ़ते अवसरों से अवगत कराया। मुख्य अतिथि श्री संजय गजघाटे ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्टार्टअप केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि नवाचार का सशक्त माध्यम है, जो स्थानीय समस्याओं के समाधान के साथ युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को नए विचारों के साथ आगे बढ़ने और जोखिम उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक सी. आर. टेकाम ने स्टार्टअप की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए प्रतिभागियों को योजनाबद्ध तरीके से

उद्यम स्थापित करने की जानकारी दी। वहीं रायपुर से आईं उप संचालक श्रीमती सुमन देवांगन एवं कंसलटेंट सुश्री प्रीति ने स्टार्टअप पंजीयन प्रक्रिया एवं राज्य शासन की नवीन स्टार्टअप नीति पर विस्तार से जानकारी साझा की।विशेषज्ञ सत्र में श्रीमती अंकिता तिवारी ने डिजिटल मार्केटिंग के महत्व को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया, जबकि सीए राज साधवानी ने उद्यम में वित्तीय प्रबंधन एवं फाइनेंस की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के प्रबंधक सुनील कुमार पाण्डेय ने किया। अंत में प्रबंधक श्रीधर राव ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, स्टाफ सहित कुल 247 प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता रही।

पेंड्रा रोड स्टेशन पर संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन संपन्न

सतर्कता, सजगता एवं कार्य कुशलता पर दिया गया विशेष बल

बिलासपुर। मंडल संरक्षा विभाग, बिलासपुर द्वारा रेल संरक्षा को सुदृढ़ बनाने एवं कर्मचारियों में सजगता बढ़ाने के उद्देश्य से पेंड्रा रोड स्टेशन पर एक संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री साकेत रंजन के निर्देशन एवं उपस्थिति में संपन्न हुई। संगोष्ठी में स्टेशन मास्टर, एसएसई, जेई, डीटीआई, लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, प्वाइंट्समैन, गेटमैन, टेक्नीशियन एवं गेंगमैन सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। इस दौरान संभावित दुर्घटनाओं के कारणों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उन्हें रोकने हेतु आवश्यक सावधानियों और उपायों पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम में स्पीड प्रतिबंध, वर्कसाइट प्रोटेक्शन, शॉटिंग के दौरान सुरक्षा उपाय, लोड स्थिरीकरण, इंटरलॉक एवं नॉन-इंटरलॉक प्वाइंट्स पर सावधानियां, ओएचई ब्लॉक के दौरान सुरक्षा, साइडिंग में लोडिंग-अनलोडिंग के समय अपनाई जाने वाली सावधानियां एवं आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त सिविल डिफेन्स के श्री घनश्याम सिंह राज द्वारा अग्निशमन (फायर फाइटिंग), प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) के साथ-साथ जीवन रक्षक सीपीआर का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया, जिससे आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी सहायता सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री साकेत रंजन ने सभी कर्मचारियों को संरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए सतर्कता एवं सजगता के साथ कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने विशेष रूप से कार्य के दौरान शॉर्टकट विधियों से बचने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर सुरक्षित तरीके से कार्य संपन्न करने पर बल दिया। मंडल संरक्षा विभाग द्वारा इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी जारी रखे जाएंगे, जिससे रेल परिचालन को और अधिक सुरक्षित एवं प्रभावी बनाया जा सके।

एलपीजी कालाबाजारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई सैकड़ों गैस सिलेंडर एवं उपकरण जप्त किए गए

एलपीजी की जिले में पर्याप्त उपलब्धता, खाद्य विभाग द्वारा नियमानुसार बुकिंग की अपील

बिलासपुर। जिले में एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध भंडारण के विरुद्ध खाद्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आज एक बड़ी कार्रवाई की गई। शहर के मधुबन, दयालबंद क्षेत्र में मुक्तिधाम के पास की गई इस छापामार कार्रवाई में भारी मात्रा में घरेलू गैस सिलेंडर एवं संबंधित उपकरण जप्त किए गए। खाद्य नियंत्रक ने कहा कि अवैध भंडारण के खिलाफ कार्यवाही जारी रहेगी, उन्होंने लोगों से अपील की है कि जिले में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है और बुकिंग नियमानुसार करें। आज खाद्य विभाग की टीम द्वारा की गई कार्यवाही में मौके पर पहुंचकर जांच के दौरान 14.2 किलोग्राम के 100 घरेलू गैस सिलेंडर , 5 किलोग्राम के 263 गैस सिलेंडर,चूल्हा बर्नर,8 बोरियों में रेगुलेटर,6 कार्टून एवं 25 नग खुले में, प्रेशर वॉल 25 नग (5-5 के बंडल में) जप्त किए गए। यह पूरी सामग्री अवैध रूप से भंडारित कर कालाबाजारी के उद्देश्य से रखी गई थी। विभाग द्वारा मौके पर ही सभी वस्तुओं को जप्त कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। विशेष अभियान के तहत लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। खाद्य विभाग द्वारा जिले में एलपीजी वितरण व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष अभियान चलाया जा

रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत अब तक 8 प्रकरणों में 310 से अधिक सिलेंडर जप्त किए जा चुके हैं। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से अवैध कारोबारियों में हड़कंप है। खाद्य नियंत्रक श्री अमृत कुजूर ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के सभी 35 गैस एजेंसी में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है,उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे घबराएं नहीं और नियमानुसार बुकिंग कर निर्धारित दरों पर ही गैस सिलेंडर प्राप्त करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कालाबाजारी या अवैध भंडारण करने वालों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विभाग की टीमें लगातार निगरानी एवं जांच कर रही हैं। शिकायत मिलने पर तत्काल छापामार कार्रवाई की जाएगी। खाद्य विभाग के नियंत्रक द्वारा आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं एलपीजी सिलेंडर की कालाबाजारी,अधिक मूल्य पर बिक्री या अवैध भंडारण की जानकारी मिलने पर प्रशासन को इसकी सूचना दें।

नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की होती है पूजा

इस साल 19 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होने जा रही है, जिसका समापन 27 मार्च को राम नवमी के पर्व के साथ हो जाएगा। नवरात्रि के दिनों में माता दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। उनको भोग लगाया जाता है। साथ ही उपवास रखा जाता है। नवरात्रि के पहले दिन माता शैलपुत्री का पूजन किया जाता है। मां शैलपुत्री के पूजन से जीवन में स्थिरता और दृढ़ता आती है। पारिवारिक स्थिति, दांपत्य जीवन, कष्ट क्लेश और बीमारियां दूर होती हैं। ऐसे में आइए माता दुर्गा के इस पहले स्वरूप के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कौन हैं माता शैलपुत्री?

मां शैलपुत्री नंदी नाम के वृषभ यानी बैल पर सवार होती हैं। माता के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प होता है। मां शैलपुत्री पर्वतराज हिमालय की बेटी हैं। पर्वतराज हिमालय के घर पुत्री के रूप में जन्म लेने के कारण माता का नाम शैलपुत्री पड़ा। देवी भागवत पुराण के अनुसार, एक बार प्रजापति दक्ष ने अपने यहां एक विशाल यज्ञ आयोजित किया। इस यज्ञ में उन्होंने समस्त देवी-देवताओं को बुलाया, लेकिन भगवान शिव और अपनी पुत्री पार्वती को आमंत्रण नहीं भेजा। इस पर भी देवी पार्वती ने यज्ञ में जाने की बात कही तो भगवान शिव ने देवी को यज्ञ में जाने से मना कर दिया, लेकिन माता नहीं मानीं और वे समारोह में चली गईं। यज्ञ में प्रजापति दक्ष ने देवी पार्वती और भगवान शिव का खूब अपमान किया।

माता ने तप करके महादेव को पति रूप में प्राप्त किया

भगवान शिव के अपमान से माता को बहुत दुख हुआ और उन्होंने यज्ञ की वेदी में कूदकर अपने प्राण त्याग दिए। इसके बाद देवी पार्वती ने पर्वतराज हिमालय के यहां जन्म लिया और माता का नाम शैलपुत्री पड़ा। इसके बाद माता ने भगवान शिव को पाने के लिए घोर तपस्या की। माता के तप से प्रसन्न हो कर पार्वती को महादेव पति रूप में मिले।

नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री के लिए मुख्य मंत्र :

नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री के लिए मुख्य मंत्र है "ॐ देवी शैलपुत्र्यै नमः"। इसके अतिरिक्त, आप शैलपुत्री स्तोत्र 'वंदे वांछितलाभाय चन्द्रार्धकृतशेखराम्। वृषारुढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम्॥' का पाठ कर सकते है या 'या देवी सर्वभूतेषु माँ शैलपुत्री रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥' बीज मंत्र का जाप कर सकते है।

हिंदू नववर्ष क्यों मनाया जाता है?

क्या है इसका धार्मिक महत्व

इस साल चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन से हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है। इस साल हिंदू नववर्ष यानी 19 मार्च से शुरू हो रहा है। गुरुवार का दिन है, इसलिए इस नववर्ष के राजा देवताओं के गुरु बृहस्पति होंगे। वहीं मंत्री का पद ग्रहों के सेनापति मंगल के पास होगा। ये 'रौद्र संवत्सर' होगा और विक्रम संवत 2083 होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हिंदू नववर्ष का विशेष महत्व है। इसी दिन महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा और दक्षिण भारत के कई राज्यों में उगादी का त्योहार मनाया जाता है। इस दौरान लोग गुड़, मिश्री व कच्चे आम के साथ नीम की पत्तियां खाते हैं। महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा से नववर्ष शुरू होता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि हिंदू नववर्ष क्यों मनाया जाता है? साथ ही जानते हैं इसका धार्मिक और वैज्ञानिक कारण।

नवरात्र मनाने का धार्मिक कारण

पौराणिक कथाओं के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन से ही ब्रह्मा जी ने संसार की रचना प्रारंभ की थी। इसी दिन देवी दुर्गा का अवतरण हुआ था। इसी माह में चैत्र नवरात्रि भी मनाई जाती है। इस दौरान देवी के नौ स्वरूपों का पूजन और व्रत किया जाता है। चैत्र माह बहुत विशेष है। माना जाता है कि उज्जैन के राजा विक्रमादित्य ने इसी दिन राष्ट्र को शकों से मुक्त कराकर विक्रम संवत शुरू किया था। इन्हीं सब कारणों की वजह से चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन हिंदू नववर्ष मनाया जाता है।

गुड़ी पड़वा पर घर में क्या करें

गुड़ी पड़वा की सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें। तेल स्नान (सुगंधित तेल लगाकर गुनगुने पानी से नहाना) विशेष रूप से शुभ है। नए वस्त्र धारण करें और घर की साफ-सफाई करें। मुख्य द्वार पर गुड़ी लगाएं – बांस की छड़ी पर रंग-बिरंगे कपड़े लपेटें, तांबे का उल्टा कलश रखें, नीम-अमरूद की पत्तियां, माला और गुड़-चने की माला लगाएं। घर के आंगन में रंगोली बनाएं। पूजा में प्रसाद के रूप में पूरन पोली, श्रीखंड, साबूदाना खीर, पूरी-चना आदि चढ़ाएं। शाम को गुड़ी की पूजा करें और गुड़ी को उतारकर शुद्ध स्थान पर रखें। दान-पुण्य अवश्य करें।

गुड़ी पड़वा का अर्थ है 'विजय पताका का प्रतिपदा पर्व'। 'गुड़ी' विजय ध्वज का प्रतीक है और 'पड़वा' प्रतिपदा तिथि को दर्शाता है। इस दिन भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की थी और राजा शालिवाहन ने शत्रुओं पर विजय प्राप्त की थी। इसलिए यह त्योहार नई शुरुआत, विजय और समृद्धि का प्रतीक है। गुड़ी लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है, नकारात्मकता दूर होती है और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है। यह पर्व नए साल की खुशियां और उम्मीदों का उत्सव है, जहां परिवार एक साथ मिलकर भविष्य के लिए संकल्प लेता है।

बढ़ती गर्मी से हो सकता है डिहाइड्रेशन जानें कैसे रखें ख्याल

मार्च का महीना शुरू हो गया है। इसके साथ ही देश भर के कई राज्यों में दिन में तेज गर्मी पड़ने लगी है। कई जगहों पर दोपहर में तापमान काफी बढ़ जाता है, और इस बढ़ती गर्मी से लोगों को कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती हैं। बढ़ती गर्मी की वजह से डायरिया और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। अगर समय रहते सावधानी न बरती जाए, तो मरीज को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ सकता है। कुछ गंभीर मामलों में यह हालत जानलेवा भी हो सकती है। गर्मी के मौसम में शरीर में बहुत ज्यादा पानी की कमी हो जाती है, और हमारे शरीर में लगभग 70 फीसदी पानी होता है। अगर शरीर में पानी की मात्रा 50 फीसदी से कम हो जाए, तो किडनी समेत जरूरी अंग काम करना बंद कर सकते हैं।

धूप में बाहर निकलने वालों के लिए खास सलाह दी है। उन्होंने कहा कि जो लोग धूप में काम करते हैं या ट्रैवल करते हैं, उन्हें अपना सिर ढककर रखना चाहिए। सिर पर सबसे ज्यादा पसीना आता है, और खुली स्किन शरीर में पानी की मात्रा को तेजी से कम कर सकती है। इसलिए, आपको शरीर में पानी बनाए रखने के लिए टोपी, तौलिया या दूसरे बचाव वाले कपड़े पहनने चाहिए। यदि आपको प्यास न भी लगे तो भी दिन भर थोड़ा-थोड़ा करके पानी पीते रहें। ओआरएस घोल, नींबू पानी, लस्सी और नारियल पानी का सेवन करें। धूप में बाहर जाते समय हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। खाली पेट बहुत देर तक धूप में न रहें। यदि दस्त, उल्टी या कमजोरी के लक्षण बने रहें तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें।

डिहाइड्रेशन के लक्षण

अपने शरीर में दिखने वाले लक्षणों को नजरअंदाज न करें। डॉ। अभिषेक ने बताया कि अगर आपको अचानक शरीर में कमजोरी महसूस हो, बार-बार उल्टी आए, चक्कर आए तो इसे सामान्य न समझें, बल्कि ये सब डिहाइड्रेशन के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं और आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। अगर किसी कारण से आप डॉक्टर के पास नहीं पहुंच पाते हैं तो घर पर ही ओआरएस का घोल पीना शुरू कर दें। इससे शरीर में सूखे हुए इलेक्ट्रोलाइट्स को वापस पाने में मदद मिलेगी। उन्होंने दही के सेवन पर भी जोर दिया और कहा कि दही में मौजूद प्रोबायोटिक तत्व हमारी आंतों में अच्छे बैक्टीरिया को बनाए रखते हैं, जिससे डायरिया जैसी बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

गर्मी में तैयार करें स्प्राउट्स की सलाद

ये रहे बेस्ट तरीके

स्प्राउट्स में नमक, नींबू और खीरा जैसी चीजें डालकर खाने से स्वाद भी बढ़ जाता है। इस आर्टिकल में जानें आप स्प्राउट्स को किन सलाद में शामिल करके गर्मी में हेल्दी डाइट फॉलो कर सकते हैं। साथ ही इनके फायदे भी जानें।

गर्मी का सीजन आ चुका है और इसमें ऐसी चीजें खानी चाहिए जो न सिर्फ पोषक तत्वों से भरपूर हो लेकिन ठंडक भी पहुंचाए। देसी तरीकों की बात की जाए तो उत्तर भारत के अधिकतर हिस्सों में सत्तू का पानी पीकर पेट को भरी गर्मी में भी ठंडा रखा जाता है। वैसे हम यहां स्प्राउट्स की सलाद को गर्मी में खाने की सलाह दे रहे हैं। चना से बनने वाले स्प्राउट्स में अगर कुछ सब्जियां भी शामिल कर ली जाए तो दोगुने फायदे पहुंचा सकती है।

मूंग दाल स्प्राउट्स और सब्जियां सामग्री-

इसके लिए आपको एक कप मिक्स मूंग और चना, एक छोटा प्याज, बारिक कटा हुआ एक टमाटर, एक हरी मिर्च, एक छोटा खीरा (बारीक कटा हुआ), आधे नींबू का रस, छोटा चम्मच चाट मसाला और नमक की जरूरत पड़ेगी।

ऐसे बनाएं स्प्राउट्स की सलाद

सबसे पहले मूंग दाल के स्प्राउट्स को लें और इन्हें हल्का उबाल लें। उबालते समय इसमें थोड़ी सी हल्दी डालना न भूलें। ठंडा होने पर इसमें सभी चीजों को मिलाएं। आप इसमें दूसरी सब्जियों को भी शामिल कर सकते हैं। जहां मूंग और चना से प्रोटीन समेत कई तत्व मिलेंगे। वहीं खीरे में मौजूद पानी से बॉडी गर्मी में हाइड्रेट रहे पाएगी।

स्प्राउट्स, छोले और सब्जियां

सामग्री- इसके लिए आपको नमक, नींबू, उबाले हुए छोले (आधा कप), खीरा, टमाटर, उबला हुआ आलू (एक), लाल और हरी मिर्च, प्याज (बारीक कटा हुआ), भुना हुआ जीरा (एक चौथाई चम्मच), इमली का चटनी और चाट मसाला की जरूरत पड़ेगी।

ऐसे बनाएं छोले और स्प्राउट्स की सलाद

एक बर्तन में पहले स्प्राउट्स को हल्दी वाले पानी में उबाल लें। इसे एक बर्तन में ले और इसमे आलू को टुकड़ों में काटकर डालें। इसमें सभी मसालों को मिक्स करें। अब प्याज, टमाटर और बाकी सब्जियों को मिलाएं। आपकी हेल्दी छोले और मूंग दाल स्प्राउट्स वाली सलाद तैयार है।

काले चने के स्प्राउट्स की सलाद

सामग्री- काले चने के स्प्राउट्स, खीरा, टमाटर, प्याज, आलू, हरा धनिया, काली मिर्च, लाल मिर्च, नींबू, जीरा पाउडर, काला नमक, चाट मसाला और हरी मिर्च।

ऐसे तैयार करें सलाद- काला चना के स्प्राउट्स को आप चाहे तो एक उबाल दे सकते हैं। इन्हें उबालने के बाद ठंडा होने के लिए रख दें। एक बर्तन में सब्जियां लें और इसमें सभी मसालों को मिक्स करें। अब इसमें काले चने के स्प्राउट्स डालें और अच्छे से मिलाएं।

चपाती (जिसे रोटी या फुलका भी कहा जाता है) भारतीय घरों में रोजाना के खाने का एक जरूरी और पौष्टिक हिस्सा है, जो पूरे गेहूं के आटे से बनाई जाती है। इसमें फाइबर, विटामिन और खनिज जैसे जरूरी पोषक तत्व होते हैं। इसे दाल, सब्जियों या अचार के साथ परोसा जाता है और यह एनर्जी का एक मुख्य सोर्स है। यह पारंपरिक रोटी सदियों से भारतीय खान-पान का एक अहम हिस्सा रही है। पारंपरिक रिफाइंड आटे के विपरीत, साबुत गेहूं के आटे में गेहूं के दाने के तीनों मुख्य हिस्से (चोकर, जर्म और एंडोस्पर्म) मौजूद रहते हैं।

चपातियां बनाने के लिए इन टिप्स को करें फॉलो

ज्यादातर लोग चपातियां बनाने के लिए बाजार में मिलने वाले किसी भी आटे का इस्तेमाल कर लेते हैं। हालांकि, नरम चपातियां बनाने के लिए शुद्ध गेहूं के आटे का ही इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए, आप गेहूं खरीदकर उसे खुद पीस सकते हैं, या पिसवा सकते हैं। अगर ऐसा करना संभव न हो, तो बाजार से ब्रांडेड गेहूं के आटे के पैकेट खरीद लें। नरम चपातियां बनाने के लिए, सबसे पहले एक कटोरे में एक पका हुआ केला रखें और उसे अपने हाथों से अच्छी तरह मसल लें। इसके बाद, छाना हुआ आटा एक कटोरे में डाल लें। इसमें मसले हुए केले का गूदा डालें और अपने हाथों से अच्छी तरह मिलाएं। फिर, थोड़ा-थोड़ा करके पानी डालें और आटा गूंथ लें। एक ही बार में बहुत ज्यादा पानी डालने से बचें, क्योंकि ऐसा करने से चपाती का आटा नरम नहीं बनेगा। आटा गूंथने के बाद, उसे एक गीले कपड़े से ढक दें और 10 मिनट के लिए रख दें। चपातियां बनाने से पहले, आटे में थोड़ा सा तेल डालें और उसे एक बार फिर से गूंथ लें। गूंथे हुए आटे को छोटी-छोटी लोइयों में बांट लें। अब चपाती बनाने के लिए लोई को सूखे आटे में हल्का सा दबाकर चकले (चटाई) पर रखें और बेलन की मदद से हल्के हाथों से घुमाते हुए गोल बेलें। यहां आप चपाती को बहुत पतला बेलने के बजाय थोड़ा मोटा बेल सकते हैं। चपाती को मध्यम-तेज आंच पर तवे पर डालें।

दही में थोड़ा पानी मिलाएं, हल्का सा मथें और देसी ड्रिंक छाछ तैयार हो गई। छाछ सिर्फ स्वाद नहीं देती बल्कि ये सेहत के लिए एक जबरदस्त टॉनिक है। छाछ में पुदीना मिलाने से पेट को ठंडक, परफेक्ट पाचन और गर्मी में ब्लोटिंग

सेहत के लिए फायदेमंद छाछ

कम होती है। वहीं, छाछ में धनिया की चटनी डालने से इसका टेस्ट भी बढ़ेगा और भूख भी खुलेगी। अगर आप छाछ में भुना जीरा और काला नमक डालते हैं, तो गैस, सुस्ती और पेट में गड़बड़ी से राहत मिल सकती है।

क्या कहता है आयुर्वेद- गुड़ के साथ भी छाछ का सेवन किया जा सकता है। आयुर्वेद में इस तरह से छाछ का सेवन करना पाचन और ताकत, दोनों के लिहाज से अच्छा माना जाता है। हालांकि, आपको क्वॉन्टिटी बैलेंस का ध्यान रखना चाहिए। जैसे-जैसे गर्मी दस्तक देती है, छाछ सिर्फ ठंडक देने वाली ड्रिंक नहीं रह जाती, बल्कि शरीर की ऐसी जरूरत बन जाती है, जो पानी की कमी, पाचन की गड़बड़ी, दोनों पर एक साथ काम करती है।

दूर होगी न्यूट्रिशन की कमी- देश में बहुत से लोगों की बॉडी में जरूरी पोषक तत्वों की कमी रह जाती है। विटामिन बी-12 और विटामिन डी की कमी को शुरुआत में लोग मामूली कमजोरी समझकर टाल देते हैं। लेकिन धीरे-धीरे ये थकान, चक्कर, सुस्ती, ध्यान कम लगना, मूड खराब रहना, भूलने की आदत और नसों की कमजोरी की वजह बन जाती है। छाछ-दही न्यूट्रिशन की कमी को दूर करने में कारगर साबित हो सकती है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए मेहनत और प्रगति का रहेगा। सकारात्मक सोच आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी, हालांकि दिनचर्या थोड़ी अस्त-व्यस्त रह सकती है। कार्यक्षेत्र में अधिक मेहनत करनी पड़ेगी, लेकिन अच्छे परिणाम मिलेंगे। मित्रों की मदद से धन कमाने के नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा, माता के साथ भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा। दिनचर्या असंतुलित होने से थकान महसूस हो सकती है।

वृषभ राशि - आज मन में उतार-चढ़ाव रह सकते हैं। परिवार की समस्याएं आपको थोड़ा परेशान कर सकती हैं। इंटरव्यू या नौकरी से जुड़े मामलों में सफलता मिल सकती है। खर्चों में बढ़ोतरी होगी, इसलिए बजट बनाकर चलें। पुराने दोस्तों से मुलाकात खुशी दे सकती है। ज्यादा चिंता करने से बचें, स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

मिथुन राशि - आज का दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। अनावश्यक क्रोध और विवाद से बचना जरूरी होगा। मित्रों के सहयोग से आय के नए स्रोत बन सकते हैं। खर्च अधिक रहेंगे, जिससे चिंता हो सकती है। रिश्तों में संतुलन बनाए रखें। मानसिक तनाव और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है।

कर्क राशि - आज संयम और धैर्य से काम लेने का दिन है। कार्यों में सफलता के लिए मेहनत बढ़ानी पड़ेगी। नौकरी या कार्यक्षेत्र में बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। खर्चों में वृद्धि हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। मानसिक तनाव से बचें।

सिंह राशि - आज आपका मन प्रसन्न रहेगा, लेकिन कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में नई चुनौतियां आएंगी, लेकिन सफलता भी मिलेगी। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता हो सकती है। तनाव से बचें और धैर्य बनाए रखें।

कन्या राशि - आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, नौकरी में बदलाव के योग बन सकते हैं। आय में वृद्धि के संकेत हैं। रिश्तों में थोड़ा तनाव आ सकता है, संभलकर रहें। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

तुला राशि- आज क्रोध पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत अधिक करनी पड़ेगी। मित्रों के सहयोग से व्यवसाय में बदलाव संभव है। आय बढ़ेगी, लेकिन खर्च भी साथ-साथ बढ़ेंगे। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशि - आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है, लेकिन अंत में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। नए व्यावसायिक अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी और निवेश के अवसर मिल सकते हैं। रिश्तों में मधुरता आएगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनु राशि- आज मन शांत रहेगा और परिवार में सामंजस्य बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में मित्रों का सहयोग मिलेगा। खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन आय भी बनी रहेगी। जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकता है। पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है।

मकर राशि - आज आपका झुकाव धर्म और कला की ओर बढ़ेगा। परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। मित्रों के सहयोग से लाभ मिल सकता है। धन लाभ के संकेत हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानसिक तनाव हो सकता है।

कुंभ राशि- आज आत्मविश्वास बढ़ेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में चुनौतियां आ सकती हैं। अधिक मेहनत करनी पड़ेगी, सफलता देर से मिलेगी। खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन लाभ भी संभव है। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा। पढ़ाई और करियर में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। शिक्षा और करियर में सफलता के योग बन रहे हैं। धन लाभ के अवसर मिल सकते हैं। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

अत्याधुनिक मॉड्यूल एवं हाइब्रिड ऑपरेशन थिएटर की सुविधा

लीलावती हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (एलएचआरसी) ने एक अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर (ओटी) का उद्घाटन किया है, जहाँ नवाचार और सटीकता मिलकर सर्जिकल देखभाल के हर कदम को मजबूत बनाते हैं। इस नई अपग्रेडेड सुविधा में उन्नत सिस्टम, बेहतर वर्कफ्लो और उच्च सुरक्षा मानक पेश किए गए हैं, जो सर्जन्स को सहज सहायता प्रदान करने के साथ-साथ मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले एक शानदार, हाइब्रिड वातावरण का निर्माण करते हैं। यह नया ओटी वैश्विक स्तर के सर्जिकल उत्कृष्टता के मानकों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसमें अत्याधुनिक सर्जिकल तकनीक, उन्नत मरीज नियंत्रण सिस्टम, सटीक मॉनिटरिंग और बेहतर मरीज सुरक्षा प्रोटोकॉल शामिल हैं।

यह लॉन्च अस्पताल की विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं में निरंतर निवेश को दर्शाता है। इस नए मॉड्यूलर ओटी में ताज़ा लैमिनार एयरफ्लो सिस्टम, नया HEPA फिल्ट्रेशन सिस्टम और सर्जिकल कंट्रोल पैनल (जिसमें डिजिटल व्यूइंग बॉक्स शामिल हैं) लगाए गए हैं। बेहतर दक्षता और वर्कफ्लो, उन्नत सुरक्षा, एर्गोनॉमिक्स और गतिशीलता में सुधार, जगह के बेहतर उपयोग के लिए अपग्रेड में नया एनेस्थीसिया पेंडेंट सिस्टम भी स्थापित किया गया है। ओटी कॉम्प्लेक्स में एक नया

एंटीमाइक्रोबियल वॉल सिस्टम भी जोड़ा गया है। ये विशेष पैनल संक्रमण रोकने में मदद करते हैं, खासकर सर्जिकल साइट इंफेक्शन—जो सर्जिकल देखभाल में देखी जाने वाली सबसे आम जटिलताओं में से एक है। नए मॉड्यूलर ओटी के साथ संक्रमण का जोखिम काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके अलावा, इन मॉड्यूलर ओटी में सेंट्रलाइज्ड CO सिस्टम भी लगाया गया है, जो सर्जिकल सहायता को सुव्यवस्थित और अधिक कुशल बनाता है। सर्जिकल पेंडेंट सिस्टम, जो छत पर लगे मेडिकल इक्विपमेंट मैनेजमेंट यूनिट होते हैं, बड़े और जटिल प्रक्रियाओं—जिसमें रोबोटिक सर्जरी भी शामिल है—के दौरान सर्जनों की सहायता के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। नई लगाई गई सर्जिकल लाइट्स में इन-बिल्ट कैमरे हैं, जो प्रक्रियाओं को उच्च गुणवत्ता में रिकॉर्ड करने में सक्षम हैं। यह रिकॉर्डिंग दस्तावेज़ीकरण, प्रशिक्षण और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए उपयोगी होती है। नए मॉड्यूलर ओटी का एक प्रमुख लाभ यह है कि ये बाजार में हाल ही में लॉन्च हुए सर्जिकल और मेडिकल इक्विपमेंट को सहजता से शामिल कर सकते हैं। इससे उभरती मेडिकल तकनीकों को तेजी से अपनाया जा सकता है और प्रक्रियाओं की दक्षता बढ़ती है। नया एनेस्थीसिया पेंडेंट सिस्टम इन अत्याधुनिक मॉड्यूलर ओटी की क्षमताओं को और मजबूत करता है। इस पूरे परिवर्तन का केंद्र है अस्पताल का नेक्स्ट-जेनरेशन हाइब्रिड ऑपरेशन थिएटर (ओटी)—एक ऐसा स्थान जहाँ मरीज की सुरक्षा, सर्जिकल दक्षता, उन्नत इमेजिंग तकनीक और अंतरराष्ट्रीय मानक वास्तविक समय में एक साथ आते हैं। इस एकीकरण से सर्जन डायग्नोस्टिक और थेरेप्यूटिक दोनों प्रक्रियाओं को अधिक सटीकता और दक्षता के साथ कर पाते हैं, जिससे जोखिम कम होता है और मरीजों के परिणाम बेहतर होते हैं। इन थिएटर्स में हर सुधार को बहुत सोच-समझकर लागू किया गया है ताकि हर प्रक्रिया में लीलावती हॉस्पिटल की परिभाषित उच्चतम सटीकता, सुरक्षा और करुणा के मानक झलकें। उद्घाटन के बारे में, श्री राजीव के. मेहता, स्थायी ट्रस्टी, लीलावती हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने कहा, "हमारे नए और आधुनिक मॉड्यूलर और हाइब्रिड ऑपरेशन थिएटर की शुरुआत हमारे लिए बहुत गर्व की बात है। यह नई सुविधा दिखाती है कि हम अपने मरीजों को सबसे सुरक्षित और सटीक इलाज देने के लिए दुनिया की बेहतरीन तकनीक अपनाने के लिए हमेशा तैयार हैं। लीलावती हॉस्पिटल में हमारा लक्ष्य नई तकनीक और सेवा की भावना को एक साथ लाना है, ताकि हम स्वास्थ्य सेवा में लगातार सुधार कर सकें और लोगों का भरोसा बनाए रखें।"

एक मुट्ठी दान प्रभु श्रीराम के नाम : रामनवमीं पर बनेगा महाभोग, घर घर से जुटाया जा रहा चावल

भिलाई। आगामी रामनवमी के पावन अवसर पर क्षेत्र में भक्ति और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। राम जन्म उत्सव समिति के संरक्षण एवं समाजसेवी प्रेम प्रकाश पांडे के मार्गदर्शन में ÷एक मुट्ठी दान प्रभु श्रीराम के नाम÷ अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 26 मार्च को रामनवमी के दिन महाभोग के रूप में प्रसाद तैयार कर श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया जाएगा। समिति से जुड़े वरिष्ठ भाजपा नेता विष्णु पाठक ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पहल का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को धार्मिक आयोजन से जोड़ना है। कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से एक मुट्ठी चावल का दान एकत्रित कर रहे हैं, जिससे रामनवमी के दिन भव्य महाभोग तैयार किया जाएगा और उसे सभी श्रद्धालुओं में वितरित किया जाएगा।

इसी कड़ी में वार्ड क्रमांक 27 की पार्षद लक्ष्मी साहू के नेतृत्व में क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क किया गया। इस दौरान वरिष्ठ नेता विष्णु पाठक, संजय नायक सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर लोगों से एक मुट्ठी चावल का दान प्राप्त किया। इस अभियान में स्थानीय नागरिकों का उत्साहपूर्ण सहयोग देखने को मिल रहा है।

कार्यक्रम के दौरान सरिता सिंह, शांति यादव, गणेश साहू, श्रवण साहू, पुष्पा निर्मलकर सहित अनेक महिलाएं एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और उन्होंने इस पुण्य कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई।

समिति ने यह भी बताया कि पिछले लगभग 41 वर्षों से क्षेत्र में धार्मिक ध्वज यात्रा की परंपरा निरंतर चली आ रही है। इस वर्ष यह आयोजन और भी भव्य होगा, जिसमें कुल 1144 ध्वज निकाले जाएंगे। यह ध्वज यात्रा वैशाली नगर विधानसभा, भिलाई नगर विधानसभा एवं दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। समिति के पदाधिकारियों ने आम नागरिकों से इस पुनीत अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और रामनवमी के इस महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

ग्रीष्म ऋतु में पेयजल व्यवस्था पर नजर रखे पीएचई विभाग : संभाग आयुक्त राठौर

संभाग आयुक्त ने ली संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक

दुर्ग। संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर ने कहा कि संभाग अंतर्गत सभी जिलों में पेयजल व्यवस्था प्रभावित न हो, इस पर पीएचई विभाग के अधिकारी विशेष नजर रखें। उन्होंने कहा कि संभाग अंतर्गत जलाशयों में पानी का पर्याप्त भराव है, आवश्यकता होने पर जिलों को पानी की उपलब्धता कराई जाएगी। उन्होंने पीएचई विभाग के अधिकारियों को सचेत किया कि कहीं से भी पानी की समस्याएं नहीं आनी चाहिए। संभाग आयुक्त राठौर ने कहा कि जल जीवन मिशन अंतर्गत जहां कार्य पूर्ण हो चुके हैं, लोगों के घरों तक पानी पहुंचाया जाए। राठौर संभागीय कार्यालय के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक में पेय जल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पीएचई विभाग के अधिकारियों को उक्त निर्देश दिए। उन्होंने शासकीय सीसीएम कॉलेज में आवश्यक निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान विभागों को राशि जमा होने के बावजूद भी कार्य अप्रारंभ होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्माण कार्य एजेंसी विभाग पीडब्ल्यूडी, विद्युत यांत्रिकी एवं पीएचई विभाग के अधिकारियों को उक्त कॉलेज में निर्माण कार्यों को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित सिविल वर्क सीसीटीवी कैमरा, एसी एवं लिफ्ट मशीन लगाने का कार्य और छात्रावासों में पानी की व्यवस्था के कार्य समय अवधि में पूर्ण किया जाए। इसी प्रकार जनपद स्तर पर निर्माण कार्य एजेंसी विभागों को कार्यों का पंजी अवलोकन निरीक्षण के दौरान करायी जाए। उन्होंने चिकित्सालयों में सीजीएमएससी को स्वीकृत कार्य प्रारंभ कराने निर्देश दिए। संभाग आयुक्त राठौर ने कहा कि संभागीय ई-ऑफिस प्रक्रिया में दुर्ग संभाग प्रदेश में प्रथम पायदान पर कायम है। इसी प्रकार दुर्ग जिला भी प्रदेश भर में दूसरे क्रम पर है। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस प्रक्रिया अब तहसील एवं विकासखण्ड स्तर के कार्यालयों में भी शुरू की जाए। संभागायुक्त राठौर ने संभाग के सभी शासकीय कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारियों की बायोमेट्रिक अटेंडेंस पर जोर देते हुए कहा कि अधिकारी अधीनस्थ कार्यालयों में भी उपस्थिति हेतु बायोमैट्रिक अटेंडेंस प्रणाली अपनाएं।

बैठक में संभाग स्तर के विभागवार समय-सीमा प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त (राजस्व) पदुमलाल यादव और उपायुक्त (विकास) संतोष ठाकुर एवं समस्त विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भिलाई निगम की महापौर परिषद ने बजट 2026-27 को दी मंजूरी, विकास और जन-सुविधाओं पर रहेगा जोर

भिलाई नगर। नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय में महापौर परिषद की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए शहर के विकास का वित्तीय खाका तैयार किया गया। बजट प्रस्तुतिकरण के दौरान आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने निगम द्वारा तैयार किया गया आगामी वित्तीय वर्ष का बजट महापौर के समक्ष प्रस्तुत किया। महापौर नीरज पाल ने बजट के प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा प्रारंभ की, जिसमें परिषद के सदस्यों ने बजट की बारीकी से समीक्षा की और शहर हित में अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। गहन विचार-विमर्श के उपरांत, परिषद के सदस्यों ने जनहितैषी कार्यों और शहर की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए बजट में आवश्यक संशोधनों को शामिल किया। इसके पश्चात, वित्तीय वर्ष 2026-27 के इस बजट को अंतिम निर्णय हेतु सामान्य सभा में भेजने का सर्वसम्मति से फैसला लिया गया। बैठक में महापौर परिषद सदस्य लक्ष्मीपति राजू, सीजू एन्थोनी, संदीप निरंकारी, साकेत चंद्राकर, केशव चौबे, एकांश बंछोर, आदित्य सिंह, लालचंद वर्मा, मन्नान गफ्फार खान, चंद्रशेखर गंवई, रीता सिंह गेरा, नेहा साहू, अपर आयुक्त राजेन्द्र कुमार दोहरे, उपायुक्त डी. के. कोसरिया, प्रभारी अधीक्षण अभियंता वेशराम सिन्हा, सभी जोन आयुक्त अजय राजपूत, येशा लहरे, कुलदीप गुप्ता, अमरनाथ दुबे, अजय गौर, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, संजय अग्रवाल, संजय वर्मा, अनिल सिंह, अरविन्द शर्मा, लेखाधिकारी चंद्रभूषण साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, राजस्व अधिकारी जे पी तिवारी, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

निगम आयुक्त ने किया सघन निरीक्षण मियावाकी प्लांटेशन और जल संरक्षण पर जोर

भिलाई नगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-2 वैशाली नगर और कैलाश नगर क्षेत्र का विस्तृत दौरा कर विकास कार्यों एवं व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मियावाकी वृक्षारोपण, अतिक्रमण हटाने और मुख्य नहर के माध्यम से जल संवर्धन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने इंदु आई.टी. के पीछे निगम स्वामित्व के रिक्त भूखण्ड का अवलोकन किया। शासन की मंशा के अनुरूप यहाँ

'मियावाकी पद्धति' से सघन पौधारोपण की तैयारी पूरी कर ली गई है। स्थल पर बोरवेल और फेंसिंग का कार्य संपन्न हो चुका है। आयुक्त ने कहा कि इस पद्धति से न केवल पर्यावरण हरा-भरा होगा, बल्कि वायु प्रदूषण पर भी प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा।शांति नगर के स्थानीय निवासियों ने आयुक्त से मुलाकात कर क्षेत्र में सुगम आवागमन हेतु नई सड़क निर्माण की मांग रखी। आयुक्त ने निवासियों को आश्वस्त किया कि नियमानुसार प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र प्रेषित किया जाएगा। कैलाश नगर में निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे नागरिकों द्वारा बाउंड्रीवाल निर्माण और बिल्डिंग मटेरियल रखकर मार्ग अवरुद्ध करने की शिकायत सही पाई गई। आयुक्त ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल बाधाएं हटाने के निर्देश दिए। एकता चौक, कैलाश नगर और कुरूद रोड किनारे स्थित मुख्य नहर का निरीक्षण किया गया।

जिले के स्कूलों में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेशन के लिए लगेगी शिविर

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निरंतर मॉनिटरिंग और मार्गदर्शन में जिले के शासकीय व अशासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन का कार्य निरंतर किया जा रहा है। कई स्कूलों में परीक्षाएं चल रही हैं, जबकि कुछ स्कूलों में परीक्षाएं समाप्त हो चुकी हैं, विद्यार्थियों की स्कूल में उपस्थिति कम होने की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी को समन्वय बनाकर स्कूलों में शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं, ताकि सभी बच्चों का अपडेशन सुनिश्चित किया जा सके। फरवरी माह में स्कूलों में कुल 12122 मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट तथा 677 आधार अपडेट किया गया है। भारत सरकार के निर्देशानुसार यह प्रक्रिया वर्तमान में निःशुल्क की जा रही है।

'विबी-जी-राम-जी' की परिकल्पना वास्तव में ग्रामीण भारत में एक बड़े परिवर्तन की नींव है : अग्रवाल

दुर्ग। पत्र सूचना कार्यालय रायपुर द्वारा आज भिलाई में 'विबी-जी-राम-जी-ग्रामीण भारत का परिवर्तनकारी बदलाव' विषय पर एक विशेष वार्तालाप (मीडिया कार्यशाला) का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत दुर्ग के सहायक परियोजना अधिकारी अरदीप ढींढी एवं दुर्ग पुलिस के साइबर विशेषज्ञ डॉ. संकल्प राय भी शामिल हुए। मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजीव अग्रवाल ने कहा कि 'विबी-जी-राम-जी' की परिकल्पना वास्तव में ग्रामीण भारत में एक बड़े परिवर्तन की नींव है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि भारत को 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाना है, तो सबसे पहली प्राथमिकता बेरोजगारी को जड़ से खत्म करना है। उन्होंने बताया कि राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के माध्यम से लगभग 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू किए गए हैं, जिसके तहत कई कंपनियां प्रदेश में निवेश कर रही हैं, जिससे युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। अध्यक्ष अग्रवाल ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए एक महिला हॉस्टल तैयार किए जा रहे है। इसके साथ ही, उन्होंने बताया कि विबी-जी-राम-जी के तहत 125 दिन का कार्य वास्तविक रूप से सुनिश्चित किया जाएगा। फसल की बुआई से लेकर कटाई तक किसान भाइयों की व्यस्तता को ध्यान में रखते हुए 60 दिनों के अवकाश हेतु ब्लॉक की व्यवस्था की गई है, ताकि खेती और विकास कार्य साथ-साथ चल सकें।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बेघर परिवारों के लिए फ्लैट उपलब्ध

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में बेघर एवं जरूरतमंद परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। योजना के एएचपी घटक के तहत सरस्वती नगर, माँ कर्मा बोरसी, फॉर्चून हायट्स बोरसी एवं गोकुल नगर में निर्मित रिक्त फ्लैट आवास हितग्राहियों के लिए उपलब्ध हैं। इन आवासों का आवंटन पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किया जा रहा है। इस योजना का लाभ ऐसे हितग्राहियों को दिया जा रहा है जो अगस्त 2015 के पहले से शहर में निवासरत हैं तथा वर्तमान में किराये के मकान, किसी अन्य के मकान या कच्चे मकान में रह रहे हैं और स्वयं का पक्का घर नहीं है। पात्र हितग्राही लगभग 3.5 लाख रुपये की लागत में किस्तों के माध्यम से फ्लैट आवास प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा हितग्राहियों की सुविधा के लिए ऋण उपलब्ध कराने हेतु फाइनेंस कंपनियों की व्यवस्था भी की गई है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य शहर के प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्का एवं सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है। नगर निगम द्वारा निर्मित इन फ्लैट आवासों का लाभ अधिक से अधिक पात्र हितग्राही उठाएं और अपने सपनों का घर प्राप्त करें। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि ऐसे सभी पात्र हितग्राही जो बेघर हैं या किराये के मकान में रह रहे हैं, वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं। आवास प्राप्त करने के इच्छुक हितग्राही प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यालय, डाटा सेंटर, नगर निगम दुर्ग में संपर्क कर योजना से संबंधित जानकारी प्राप्त कर आवेदन कर सकते हैं।

पोषण और देखभाल से मिला बेहतर परिणाम मातृ वंदना योजना से लाभान्वित हुई गीतांजली

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग, महिला सशक्तिकरण केन्द्र दुर्ग द्वारा परियोजना दुर्ग ग्रामीण के सेक्टर रसमड़ा में शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी पहल का सकारात्मक परिणाम ग्राम सिलोदा, ग्राम पंचायत खपरी की निवासी गीतांजली साहू के जीवन में देखने को मिला। गीतांजली साहू पति देवेंद्र कुमार साहू ने बताया कि जब वह गर्भवती थीं, तब महिला सशक्तिकरण केन्द्र की टीम और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने उन्हें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के बारे में जानकारी दी और उनका पंजीयन कराया गया। गर्भावस्था के पांचवें माह में उन्हें योजना के तहत पहली किस्त के रूप में 3000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई। प्रारंभ में गीतांजली का वजन मात्र 38 किलोग्राम था और उनका हीमोग्लोबिन स्तर 10 ग्राम था। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की सलाह पर उन्होंने इस राशि का उपयोग अपने पोषण के लिए किया। उन्होंने अपने आहार में अंकुरित अनाज, सलाद, फल और दूध को शामिल किया। संतुलित आहार और नियमित देखभाल के कारण गर्भावस्था के नौवें माह तक उनका वजन लगभग 8 किलोग्राम बढ़ गया और हीमोग्लोबिन स्तर बढ़कर 11 ग्राम हो गया। 23 नवंबर

2025 को गीतांजली ने एक स्वस्थ बालक को जन्म दिया, जिसका वजन 2.50 किलोग्राम था। जन्म के बाद भी उन्होंने बच्चे को नियमित स्तनपान कराया, जिससे एक माह में बच्चे का वजन बढ़कर लगभग 3.5 किलोग्राम हो गया। गीतांजली साहू ने गर्भवती महिलाओं के लिए शासन द्वारा दी जा रही इस सहायता राशि और योजनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहती है कि समय पर मिली जानकारी और पोषण सहायता से उन्हें स्वस्थ मातृत्व प्राप्त हुआ।

ई-ऑफिस क्रियान्वयन में दुर्ग जिला प्रदेश में द्वितीय स्थान पर

कलेक्टर सिंह के मार्गदर्शन में मिली बड़ी सफलता

दुर्ग। सरकारी कामकाज में पारदर्शिता, गतिशीलता और पेपरलेस गवर्नेंस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू की गई ई-ऑफिस प्रणाली के संचालन में दुर्ग जिले ने पूरे छत्तीसगढ़ में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। प्राप्त नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, ई-फाइल काउंट के मामले में दुर्ग जिला 9,957 फाइलों के साथ पूरे प्रदेश में द्वितीय स्थान पर काबिज हो गया है। यह उपलब्धि कलेक्टर अभिजित सिंह के कुशल मार्गदर्शन और उनके द्वारा की गई निरंतर मॉनिटरिंग का प्रतिफल है। जिले में इस प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को उच्च स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे कार्यालयीन फाइलों के निपटान में तेजी आई है जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनी है। कलेक्टर सिंह ने स्पष्ट किया है कि ई-ऑफिस केवल एक सॉफ्टवेयर मात्र नहीं, कार्य संस्कृति में एक क्रांतिकारी बदलाव है, जिससे आम जनता के कार्यों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित हो रहा है। प्रदेश स्तर पर ई-ऑफिस की वर्तमान स्थिति के अनुसार सक्ती जिला प्रथम स्थान पर बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि सक्ति जिले को शासन द्वारा ई-ऑफिस के सफल क्रियान्वयन के लिए एक 'प्रयोग जिले' के रूप में विकसित किया गया था, जहाँ शुरुआती दौर में इस तकनीक का व्यापक परीक्षण किया गया। इस मॉडल डिस्ट्रिक्ट् पहल के कारण सक्ति जिले को आंकड़ों में उल्लेखनीय बढ़त प्राप्त हुई है। हालांकि, दुर्ग जिले ने अपनी सक्रियता और बेहतर प्रशिक्षण रणनीति के माध्यम से बहुत कम समय में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। छत्तीसगढ़ शासन की मंशा के अनुरूप, जिले के सभी सरकारी विभागों में अब भौतिक फाइलों के स्थान पर डिजिटल फाइलों के चलन को प्राथमिकता दी जा रही है। जिससे भविष्य में 'जीरो पेंडेंसी' के लक्ष्य को प्राप्त करने में बड़ी मदद मिलेगी।

जिले में किशोरियों हेतु एचपीवी टीकाकरण की शुरुआत, सर्वाइकल कैंसर से होगा बचाव

बलौदाबाजार। भारत सरकार द्वारा देश में एचपीवी टीकाकरण का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया है। इसी कड़ी में अब जिले में भी टीका लगाना शुरू किया जा चुका है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश अवस्थी ने बताया कि एचपीवी अर्थात ह्यूमन पैपिलोमा वायरस से बचाव हेतु यह टीकाकरण अभी उन किशोरावस्था की बालिकाओं को लगाया जा रहा है जिन्होंने अपना 14 वां जन्मदिन तो मनाया हो पर 15 वां पूरा न किया गया हो । आयु के प्रमाण हेतु आधार अथवा फोटो आईडी मान्य की जाएगी। यदि पहचान पत्र उपलब्ध नहीं है तो अभिभावकों द्वारा हस्ताक्षरित घोषणा पत्र के आधार पर भी टीकाकरण किया जा सकेगा। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ के. के.टेम्भूरने के अनुसार इसका उद्देश्य किशोरावस्था की बालिकाओं को एचपी वायरस से बचाव करना है जो बाद में सर्वाइकल कैंसर का कारण बनता है । महिलाओं में यह कैंसर प्रमुख रूप से दिखाई पड़ता है। निजी अस्पतालों में भी यह टीका लगाया जाता रहा है जहाँ पैसे खर्च होते किंतु शासन ने इसे निःशुल्क रखा है जिससे लोग लाभ ले सकें। अपनी बच्ची वैशाली को जिला अस्पताल में टीका लगवाने आए शिक्षक अरुण वर्मा ने बताया कि समाचार और विभिन्न सोशल मीडिया माध्यम से उन्हें इस टीकाकरण की जानकारी मिली। पहले वह निजी अस्पताल जाने वाले थे पर अब यहाँ निःशुल्क टीका लग रहा है तो जिला अस्पताल आ कर टीका लगवाएं हैं। प्रत्येक टीकाकरण सत्र स्थल पर प्रतीक्षालय, टीकाकरण कक्ष तथा निगरानी कक्ष की समुचित व्यवस्था की की गई है।

सूर्य व चन्द्र प्रकृति आधारित है हिन्दू पंचाग-मनोज

गाजीपुर। शक्ति उपासना का पर्व चैत्र नवरात्रि के साथ नववर्ष विक्रमी संवत 2083 के शुभागमन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वर्ष प्रतिपदा का पर्व धूमधाम से पूरे देश में मनाया जा रहा है। इसे लेकर वर्ष प्रतिपदा के पूर्व संध्या पर संघ विशाल पथ संचलन का आयोजन 18 मार्च बुधवार को श्रीरामलीला लंका मैदान में किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम सभी स्वयंसेवक ने संघ के संस्थापक डा.केशव बलिराम हेडगेवार को आद्य सर संघचालक प्रणाम करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश पूर्वी क्षेत्र संम्पर्क प्रमुख मनोज ने अपने उदबोधन बताया कि नववर्ष की परम्परा आदि अनन्त काल से चली आ रही है। प्रकृति पर आधारित सूर्य व चन्द्र के गणना पर आधारित

हिन्दू पंचाग है जो पूरे विश्व मे सास्वत है। इसकी गणना कभी गलत व भ्रामक नही होती है। जो युगाब्ध, विक्रमी सम्वत पर आधारित है। इसी गणना के आधार पर वर्ष प्रतिपदा प्रत्येक वर्ष चैत्र माह के प्रथम दिन मनाया जाता है और सम्पूर्ण भारत मे एक साथ मनाय जाता है। हमारी भारतीय संस्कृति को लार्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति ने भारी नुकशान पहुचाया और भारत में अंग्रेजी पद्धति के कानवेन्ट स्कूल के माध्यम से भारतीय संस्कृति व परम्परा को धवस्त करने का काम किया। कार्यक्रम मे जिला धर्म जागरण प्रमुख प्रेमशंकर ओझा के निधन पर दो

मिनट का मौन रख श्रद्धाजलि अर्पित किया गया। विशाल पथ संचलन कार्यक्रम श्रीरामलीला लंका मैदान से प्रारम्भ होकर लंका चुंगी होते हुए सिंचाई विभाग चौराहा होते हुए सरयू पाण्डेय पार्क कचहरी होते हुए अफीम फैक्ट्री, महुआबाग, दुर्गाचौक सकलेनाबाद, जेलगेट होते हुए श्रीराम लीला लंका मैदान में समापन हुआ। कार्यक्रम के अन्त में संघ प्रार्थना व ध्वज प्रणाम किया गया। कार्यक्रम में विभाग संघचालक सचिदानन्द, जिला संघचालक जयप्रकाश, सह विभाग प्रचारक प्रेमप्रकाश, जिला प्रचारक प्रभात, नगर प्रचारक विक्रम आदि उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com